मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
Mridul Patrika
राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 | वर्ष 18 | मूल्य 2.00 रुपए | अंक 40 | जयपुर, शनिवार, 19 सितम्बर, 2026 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

रवनीत बिट्टू के काफिले पर हमला, गाड़ियों के शीशे टूटे

पार्टी ने आरोपों से किया इनकार

मृदुल पत्रिका, बटाला (गुरदासपुर)। पंजाब में भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' शुरू होने से पहले पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर बटाला के पास कथित हमला हुआ। बिट्टू शुक्रवार को अमृतसर से पठानकोट जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि घासीतपुर गांव के पास कुछ लोगों ने उनके काफिले को घेरकर अंडे, टमाटर और पत्थर फेंके। घटना में सुरक्षा वाहनों के शीशे टूटने की बात भी सामने आई है। बिट्टू ने आरोप लगाया कि हमले में आम आदमी पार्टी से जुड़े लोग शामिल थे। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा टीम ने कुछ लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। हालांकि, आप की ओर से इन आरोपों का खंडन किया गया है। आप से जुड़े बताए जा रहे जोबन रंधावा ने दावा किया कि उनके कार्यकर्ता शांतिपूर्ण विरोध कर रहे थे और बिट्टू के समर्थकों ने ही उन्हें निशाना बनाया। मामले में पुलिस की जांच और आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

जरूरत पड़ी तो जज एनटीए कार्यालय का दौरा करेंगे

पेपर लीक रोकने के इंतजामों की सुप्रीम कोर्ट करेगा जांच

कोर्ट ने सुधारों का ब्योरा वेबसाइट पर डालने, स्थायी विशेषज्ञ स्टाफ रखने और डिजिटल परीक्षा की ओर चरणबद्ध बढ़ने को कहा

मृदुल पत्रिका, नई दिल्ली। नीट समेत प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर जज राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय का दौरा कर परीक्षा व्यवस्था की जांच करेंगे। इसका उद्देश्य यह देखना है कि परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से कराने के लिए किए गए इंतजाम वास्तव में प्रभावी हैं या नहीं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अलोक अराधे की पीठ यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफआईएमए) सहित अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। याचिकाओं में एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था की मांग की गई है। इससे पहले 19 अगस्त को केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि नीट की मौजूदा परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित बनाया गया है और इसमें सेंध लगाना मुश्किल है।

एनटीए को सुधारों का ब्योरा सार्वजनिक करना होगा

1. सुधारों की जानकारी वेबसाइट पर कोर्ट ने एनटीए को परीक्षा व्यवस्था में किए गए सुधारों और अब तक हुई प्रगति का विस्तृत ब्योरा अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।
2. स्थायी विशेषज्ञ स्टाफ सुनवाई के दौरान एनटीए में पर्याप्त स्थायी कर्मचारी और विशेषज्ञ रखने की जरूरत पर जोर दिया गया। बेहतर प्रशिक्षण, आधारभूत ढांचे और विभिन्न संस्थानों के बीच समन्वय पर भी चर्चा हुई। एनटीए को मजबूत कानूनी आधार देने के लिए वैधानिक व्यवस्था पर विचार की बात भी सामने आई।
3. डिजिटल परीक्षा चरणबद्ध होगी कोर्ट ने कहा कि लिखित परीक्षा से डिजिटल परीक्षा की ओर बदलाव अचानक नहीं किया जा सकता। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा, ताकि नई व्यवस्था में तकनीकी या संचालन संबंधी दिक्कतें न आएं।
4. सुझाव भेज सकेंगे वकील और राज्य परीक्षा सुधारों को लेकर वकील और राज्य अपने सुझाव तय ई-मेल के जरिए भेज सकेंगे। इन सुझावों पर सुधार प्रक्रिया में विचार किया जाएगा।

सितंबर के अंत तक आ सकती है अंतरिम रिपोर्ट

केंद्र ने कोर्ट को बताया कि नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की पहली अंतरिम रिपोर्ट सितंबर के अंत तक आने की संभावना है।

कोर्ट ने यूपीएससी जैसा सिस्टम बनाने पर दिया जोर

18 अगस्त को भी सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा व्यवस्था में स्थायित्व और संस्थागत अनुभव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया था। कोर्ट ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसा मजबूत सिस्टम विकसित करने की बात कही थी, ताकि अधिकारियों के तबादले के बावजूद परीक्षा कराने का अनुभव संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने यह भी कहा था कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर होना पर्याप्त नहीं है। चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में मौजूद कमजोरियां दोबारा सामने न आएं।

उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में पारा -2 डिग्री; यूपी में आंधी-बारिश

मध्य प्रदेश में 21 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान; बिहार के 13 जिलों में यलो अलर्ट, बाढ़ से करीब 50 लाख लोग प्रभावित

मृदुल पत्रिका, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है, वहीं मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर जारी है। बिहार में बाढ़ के कारण करीब 50 लाख लोग प्रभावित बताए गए हैं।

उत्तराखंड में बर्फबारी, केदारनाथ में -2 डिग्री

चमोली के हेमकुंड साहिब में बर्फबारी हुई। केदारनाथ और रुद्रनाथ में भी ओलों के साथ हल्की बर्फबारी हुई। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान गिर गया। केदारनाथ में शुक्रवार सुबह तापमान माइनस 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एमपी में 21 सितंबर तक बारिश

मध्य प्रदेश के भोपाल, सीहोर और देवास में गुरुवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून अब अंतिम चरण में है और सितंबर के अंतिम सप्ताह से इसकी विदाई शुरू हो सकती है। फिलहाल 21 सितंबर तक बारिश और आंधी का दौर जारी रहने का अनुमान है।

यूपी में 50 किमी की रफ्तार से चली आंधी

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। कानपुर में करीब आधे घंटे तक 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। कई पेड़ टूटकर सड़कों पर गिर गए, इसके बाद तेज बारिश हुई। बरेली में भी धूलभरी आंधी चली। यहां करीब 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली हवाओं से कई पेड़ उखड़ गए।

बिहार के 13 जिलों में यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने बिहार के 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। वहीं, प्रदेश में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और अब तक करीब 50 लाख लोग प्रभावित बताए गए हैं।

निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली का शव फंदे पर मिला

19 साल जेल में रहा, 13 मामलों में मिली थी मौत की सजा

मृदुल पत्रिका, हरिद्वार। निठारी कांड के आरोपी रहे सुरेंद्र कोली का शुक्रवार को हरिद्वार में शव फंदे पर मिला। वह पिछले कुछ महीनों से नाम बदलकर यहां रह रहा था और भूपतवाला में चाय की दुकान चला रहा था। उसका शव दुकान में पंखे से लटका मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। करीब 19 साल जेल में रहने के बाद नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट से आखिरी मामले में भी बरी होने के बाद कोली जेल से बाहर आया था। नोएडा के निठारी में 2005-06 के दौरान बच्चों और महिलाओं के लापता होने के मामलों की जांच के दौरान उसका नाम सामने आया था। 29 दिसंबर 2006 को मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी के पीछे नाले से मानव अवशेष मिलने के बाद मामले ने देशभर में सनसनी मचा दी थी। इसके बाद सीबीआई ने जांच शुरू की और कोली के खिलाफ कई मामले दर्ज हुए। कोली को कुल 13 मामलों में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 मामलों में उसे बरी कर दिया। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी मामले में भी उसे दोषमुक्त कर दिया था।

चार दिन पहले ही किराए पर ली थी दुकान

कोली कुछ महीने पहले हरिद्वार आया था। यहां वह अकेला रहता था और पहचान छिपाकर रह रहा था। करीब 15 दिन पहले उसने सिडकुल की एक कंपनी में काम शुरू किया था। वहां उसने अपना नाम सदाराम बताया था। करीब चार दिन पहले उसने सप्तर्षि चौकी क्षेत्र में लाल मंदिर के पास सड़क किनारे एक छोटी दुकान किराए पर ली थी और चाय बेच रहा था। पड़ोसियों के अनुसार उसने दुकान के लिए मालिक को कुछ महीनों का एडवांस भी दिया था।

नंदीग्राम उपचुनाव से ममता गुट की प्रत्याशी संचिता ने नाम वापस लिया

मृदुल पत्रिका कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट की प्रत्याशी संचिता प्रधान दे ने शुक्रवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। रिपोर्टों के मुताबिक, नाम वापस लेने से पहले उनकी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात हुई थी। हालांकि, मुलाकात कब हुई और नामांकन वापस लेने के फैसले से उसका क्या संबंध है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। संचिता ने नाम वापसी को लेकर पत्र भी जारी किया है। उन्होंने अपने फैसले का विस्तृत कारण सार्वजनिक नहीं किया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने 13 सितंबर को नंदीग्राम से संचिता प्रधान दे और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया था। दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को मतदान और 9 अक्टूबर को मतगणना होनी है।

टीएमसी में दो फाड़, दोनों गुटों को नए नाम और चुनाव चिह्न

ममता गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और फुटबॉल खिलाड़ी, बागी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' व लिफाफा मिला

मृदुल पत्रिका, नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अंदरूनी फूट अब चुनावी मैदान में भी अलग-अलग पहचान के साथ नजर आएगी। विधानसभा की नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने टीएमसी के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया है। वहीं, ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है।

मूल नाम-चिह्न पर फैसला बाकी

इससे एक दिन पहले चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और पार्टी के मूल 'फूल-घास' चुनाव चिह्न के इस्तेमाल से रोक दिया था। आयोग की यह व्यवस्था फिलहाल अंतरिम है। पार्टी के मूल नाम और चुनाव चिह्न पर अंतिम फैसला अभी बाकी है। दोनों गुट अब 6 अक्टूबर के उपचुनाव में नए नाम और चुनाव चिह्न के साथ मैदान में उतरेंगे। मतगणना 9 अक्टूबर को होगी।

दोनों गुटों ने उतारे उम्मीदवार

नंदीग्राम से ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट ने मोहम्मद एतेशामुल हक को, जबकि रेजीनगर से सफीउद्दीन शेख को उम्मीदवार बनाया है।वहीं, ममता बनर्जी के गुट ने नंदीग्राम से संचिता प्रधान (डे) और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को प्रत्याशी घोषित किया है।

राजस्थान मानसून की विदाई से पहले झमाझम, डैम ओवरफ्लो

डूंगरपुर में पुंजेला डैम पर चली चादर

सलूंबर में पुल के ऊपर से बही सरनी नदी; टोंक में कटी फसलें खराब, कोटा जंक्शन पर शॉर्ट सर्किट से आग

मृदुल पत्रिका. जयपुर। राजस्थान में मानसून की विदाई से पहले बारिश का दौर तेज हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य से मानसून की विदाई 19 सितंबर से शुरू होने की संभावना है। इससे पहले उदयपुर, सलूंबर और चित्तौड़गढ़ समेत कई जिलों में गुरुवार रात से शुक्रवार दोपहर तक रुक-रुककर बारिश हुई। तेज बारिश के कारण नदियों और बांधों में पानी की आवक बढ़ी, वहीं कई इलाकों में रास्ते बंद करने पड़े। डूंगरपुर के आसपुर क्षेत्र में पुंजेला डैम पर शुक्रवार सुबह करीब एक फीट पानी की चादर चली। खेड़ा-आसपुर-गमेला तालाब का जलस्तर बढ़ने से रास्ता भी बंद हो गया। सलूंबर में सरनी नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन ने यहां यातायात रोक दिया।

चित्तौड़गढ़ में झरने का बहाव तेज

चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा क्षेत्र में गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे बारिश शुरू हुई, जो शुक्रवार सुबह तक जारी रही। लगातार बारिश से ब्राह्मणी नदी का जलस्तर बढ़ गया। इसके कारण डब्को झरने में भी पानी का बहाव तेज हो गया और आसपास के रास्तों पर आवाजाही प्रभावित हुई।

टोंक में कटी फसलें खराब

टोंक जिले में गुरुवार रात हुई बारिश से किसानों को नुकसान हुआ है। खेतों में कटी हुई फसलें बारिश में भीगने से खराब हो गईं। किसानों के अनुसार बारिश के कारण तैयार फसल को नुकसान पहुंचा है।

कोटा जंक्शन पर बिजली पैनल में आग

कोटा जंक्शन पर बारिश के दौरान बिजली के एक पैनल में शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे आग लग गई और कुछ देर के लिए स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। आग को कुछ ही मिनट में बुझा दिया गया।

कई जिलों में 4 इंच तक बारिश

पिछले 24 घंटे में सवाई माधोपुर, करौली, नागौर, अजमेर और जयपुर समेत कई जिलों में 4 इंच तक बारिश दर्ज हुई। भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक, झुंझुनूं और बीकानेर में भी करीब 2 इंच तक पानी बरसा। जैसलमेर के मोहनगढ़ में शुक्रवार सुबह से दोपहर तक रुक-रुककर बारिश होती रही।

टीएमसी के नाम-सिंबल पर रोक से भड़के राहुल, बोले-

वोट चोरी, सरकार चोरी और अब पार्टी चोरी

मृदुल पत्रिका, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा उपचुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर चुनाव आयोग की रोक को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए भाजपा और चुनाव आयोग पर एक राजनीतिक दल को तोड़ने में मिलीभगत का आरोप लगाया।

राहुल ने कहा- एक ही पैटर्न

राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा कि पहले शिवसेना, फिर एनसीपी और अब तृणमूल कांग्रेस के मामले में एक जैसा पैटर्न देखने को मिल रहा है। उनके अनुसार भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। उन्होंने लिखा कि जब पूरी पार्टी 'चोरी' हो सकती है तो करोड़ों भारतीयों के वोट 'चोरी' होना भी आश्चर्य की बात नहीं है। राहुल ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर स्थिति बताते हुए कहा कि चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना है, जबकि उनके आरोप के अनुसार आयोग ऐसी ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के फैसले को पलटती हैं।

ममता के समर्थन में राहुल का बयान

राहुल गांधी ने कहा कि यह लड़ाई केवल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल और मतदाता की है, जो स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव चाहता है।

चुनाव आयोग का अंतरिम आदेश ममता बनर्जी और अरूप रॉय से जुड़े गुटों के बीच पार्टी संबंधी विवाद के बाद आया है। आयोग ने कहा है कि दोनों में से कोई भी गुट फिलहाल तृणमूल कांग्रेस के नाम और उसके 'फूल और घास' वाले चुनाव चिह्न का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। आयोग के अनुसार दोनों गुटों को उपचुनाव अलग-अलग नामों और आयोग की ओर से आवंटित चुनाव चिह्नों के साथ लड़ना होगा। यह व्यवस्था विवाद के अंतिम समाधान तक लागू रहेगी।

ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में 35 मिनट की देरी एअर इंडिया एक्सप्रेस के 8 क्रू सदस्य निलंबित

मृदुल पत्रिका, नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने दुबई से अमृतसर आने वाली उड़ान के आठ क्रू सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। 2 अगस्त 2026 को हुई इस उड़ान के बाद अनिवार्य ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट की प्रक्रिया तय समय सीमा में पूरी नहीं हो सकी। क्रू सदस्यों ने पोस्ट-फ्लाइट डिक्लेरेशन निर्धारित दो घंटे के बजाय 2 घंटे 35 मिनट बाद जमा किया। विमानन नियमों के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ान के बाद क्रू सदस्यों को विमान उतरने के दो घंटे के भीतर पोस्ट-फ्लाइट डिक्लेरेशन जमा करना होता है। तय समय सीमा में प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर एयरलाइन के सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सभी क्रू सदस्यों का साइकोएक्टिव पदार्थों के सेवन की जांच के लिए ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट कराया गया।

24.3 अरब डॉलर की संभावित डील को विदेश विभाग की मंजूरी

सऊदी को 48 एफ-35 लड़ाकू विमान देगा अमेरिका

; कांग्रेस की समीक्षा बाकी, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने चीन तक संवेदनशील तकनीक पहुंचने की जताई आशंका

मृदुल पत्रिका, वॉशिंगटन/रियाद। अमेरिका ने सऊदी अरब को 48 एफ-35ए लड़ाकू विमान बेचने की संभावित डील को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने सौदे की अनुमानित कीमत 24.3 अरब डॉलर बताई है। हालांकि, यह अभी अंतिम बिक्री नहीं है। सौदे पर अमेरिकी कांग्रेस की समीक्षा और मंजूरी की प्रक्रिया बाकी है। प्रस्तावित पैकेज में 48 एफ-35ए विमानों के साथ 49 एफ-135 इंजन, प्रशिक्षण, कलपुर्जे, संचार उपकरण और अन्य सहायता शामिल हैं। कांग्रेस को इसकी औपचारिक सूचना दी जा चुकी है और सांसदों के पास समीक्षा के लिए 30 दिन का समय है।

चीन तक तकनीक पहुंचने की आशंका

सौदे के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की ओर से संवेदनशील सैन्य तकनीक की सुरक्षा को लेकर चिंता सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार अमेरिकी खुफिया आकलन में आशंका जताई गई है कि चीन सऊदी अरब में अपने सैन्य और तकनीकी संबंधों के जरिए एफ-35 से जुड़ी संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाने की कोशिश कर सकता है। चिंता का एक कारण सऊदी अरब और चीन के बीच बढ़ते रक्षा एवं तकनीकी संबंध हैं। सऊदी सैन्य ढांचे में चीनी तकनीक और दूरसंचार उपकरणों की मौजूदगी को लेकर भी अमेरिकी अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी सवाल उठाए हैं। ऐसे में एफ-35 से जुड़े ठिकानों और संवेदनशील प्रणालियों तक पहुंच नियंत्रित रखने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

एफ-35 में क्या खास है

एफ-35ए एक पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान है। इसमें कम दिखाई देने वाली डिजाइन के साथ उन्नत सेंसर, रडार, संचार और निगरानी प्रणालियां हैं। इसकी संवेदनशील तकनीक की सुरक्षा अमेरिका के लिए प्रमुख मुद्दा है।अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि प्रस्तावित बिक्री से सऊदी अरब की रक्षा क्षमता और अमेरिकी सेनाओं के साथ उसकी परिचालन क्षमता मजबूत होगी। विभाग ने यह भी कहा है कि सौदे से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन में बदलाव नहीं होगा।

नगर निगम जयपुर अध्यक्ष पद के निर्वाचन की लोक सूचना जारी

मृदुल पत्रिका, जयपुर। नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के निर्वाचन की लोक सूचना जारी कर दी गई है। जारी सूचना के अनुसार अध्यक्ष पद सामान्य श्रेणी के लिए निर्धारित है। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थी या उनके प्रस्तावक 19 सितंबर को नामांकन-पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। रिटर्निंग अधिकारी महापौर एवं उपमहापौर आम चुनाव-2026 आशीष कुमार ने बताया कि नामांकन-पत्र 19 सितंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, कमरा नंबर 204 (ईसी हॉल), प्रथम तल, नगर निगम मुख्यालय, लालकोठी में प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नामांकन-पत्रों की संवीक्षा 21 सितंबर को दोपहर 3 बजे तक की जाएगी। अभ्यर्थिता वापस लेने की सूचना 22 सितंबर को कार्यालय समय में दोपहर 3 बजे से पहले प्रस्तुत की जा सकेगी। यदि निर्वाचन लड़ा जाता है तो 25 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नगर निगम मुख्यालय, लालकोठी में निर्वाचित सदस्यों की बैठक आयोजित कर मतदान कराया जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि 18 सितंबर को नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए किसी भी अभ्यर्थी ने नामांकन-पत्र प्रस्तुत नहीं किया।

साढ़े तीन महीने में 40 हजार घरों को मिला पाइप्ड गैस कनेक्शन

मुख्य सचिव ने बुनियादी ढांचा तैयार क्षेत्रों में डीपीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता देने के दिए निर्देश; दिसंबर तक 60 नए सीएनजी स्टेशन शुरू करने का लक्ष्य

मृदुल पत्रिका, जयपुर। राजस्थान में घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (डीपीएनजी) नेटवर्क के विस्तार को गति देने के लिए सरकार ने शहरों और उन क्षेत्रों पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए हैं, जहां घरों तक पाइप्ड गैस पहुंचाने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में राज्य में कार्यरत सिटी गैस वितरण (सीजीडी) कंपनियों के साथ बैठक में इसकी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से महज साढ़े तीन महीने में 40 हजार नए घरों को डीपीएनजी कनेक्शन से जोड़ना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने सीजीडी कंपनियों और तेल विपणन कंपनियों को आपसी समन्वय से एलपीजी से डीपीएनजी की ओर उपभोक्ताओं के स्थानांतरण को आसान बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं के साथ औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को भी पाइप्ड प्राकृतिक गैस से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सरकारी आवासों को भी डीपीएनजी सुविधा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। संबंधित विभागों को इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को जिला स्तर पर सीजीडी कंपनियों के साथ समन्वय कर एलपीजी कनेक्शनों को डीपीएनजी में स्थानांतरित कराने में सहयोग करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने प्रदेश में सीएनजी स्टेशन नेटवर्क के विस्तार की भी समीक्षा की। चालू वित्तीय वर्ष में 60 नए सीएनजी स्टेशन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सीजीडी कंपनियों को कार्ययोजना तैयार कर दिसंबर तक लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। खाद्य सचिव रोहित गुप्ता ने बताया कि जिला रसद अधिकारियों को सीजीडी कंपनियों के साथ समन्वय कर डीपीएनजी कनेक्शन जारी कराने में सहयोग के निर्देश दिए गए हैं। विशेष सचिव, खान नम्रता वृष्णि ने बताया कि विभागीय स्तर पर नियमित निगरानी के परिणामस्वरूप तीन महीने में 30 हजार से अधिक नए घर डीपीएनजी से जोड़े जा चुके हैं। 17 भौगोलिक क्षेत्रों में 13 कंपनियां कर रहीं काम राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक विनय पाटनी ने बताया कि प्रदेश में 13 सीजीडी कंपनियां 17 भौगोलिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित कर रही हैं। ये कंपनियां घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन के साथ सीएनजी सुविधा भी उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 23 नए सीएनजी स्टेशन, 99 औद्योगिक कनेक्शन और 314 वाणिज्यिक पीएनजी कनेक्शन दिए जा चुके हैं। बैठक में पेट्रोलियम विभाग, राजस्थान स्टेट गैस, सामान्य प्रशासन, वित्त, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और सीजीडी कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीमावर्ती और दूरदराज क्षेत्रों में तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी सर्वोच्च प्राथमिकता

मृदुल पत्रिका, जयपुर। राज्य में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और दूरदराज, जनजातीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों तक निर्बाध इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाने को सरकार ने प्राथमिकता में रखा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में हुई 18वीं राज्य ब्रॉडबैंड समिति की बैठक में डिजिटल सेवाओं, राइट ऑफ वे नियम-2024, 4जी सैचुरेशन परियोजना और केंद्र की विशेष सहायता योजना के तहत होने वाले सुधारों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि कनेक्टिविटी के अभाव में कोई भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सीमावर्ती, जनजातीय और दूरदराज के गांवों में हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने राज्य के सभी नगरीय निकायों, निगमों और सार्वजनिक उपक्रमों में 1 जनवरी 2025 से प्रभावी नए राइट ऑफ वे नियम-2024 को 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सात प्रमुख विभाग राज्य राइट ऑफ वे पोर्टल से जुड़ चुके हैं। शेष संस्थाओं को भी जल्द जोड़ने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ऑफलाइन आवेदन की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त कर सभी प्रक्रियाएं राज्य राइट ऑफ वे पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संचालित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग की विशेष सहायता योजना के तहत 31 मार्च 2026 तक लंबित सभी राइट ऑफ वे आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका है। अनुमति जारी करने में औसत समय 45 दिन से कम रहा है और वर्तमान में यह करीब 32 दिन है। मुख्य सचिव ने भारतनेट परियोजना के संशोधित परिशिष्ट, ऊर्जा विभाग की साझा आवेदन व्यवस्था और समेकित बिलिंग प्रणाली समेत शेष औपचारिकताएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि राज्य को 150 करोड़ रुपए की पूरी प्रोत्साहन राशि मिल सके। 4जी सैचुरेशन परियोजना की समीक्षा के दौरान मोबाइल टावरों के लिए राजस्व भूमि आवंटन में लंबित मामलों को मिशन मोड में निपटाने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से उदयपुर, बीकानेर, बाड़मेर और जैसलमेर के जिला कलेक्टरों को व्यक्तिगत रुचि लेकर लंबित मामलों का शीघ्र समाधान कराने को कहा गया।

सीमावर्ती जिलों, विशेषकर बाड़मेर और श्रीगंगानगर के नेटवर्क से वंचित गांवों को सर्वोच्च प्राथमिकता से जोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की ओर से उठाए गए मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने स्थानीय निकायों द्वारा आवेदन खारिज किए जाने की स्थिति में प्रक्रिया शुल्क वापस करने की संभावना पर विचार करने को कहा। स्मार्ट मीटरिंग और समूह बिलिंग व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा कानूनी सुनवाई के बिना या निराधार शिकायतों के आधार पर मोबाइल टावर लगाने पर एकतरफा रोक

शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन व कौशल विकास के लिए एमओयू

बड़ी संख्या में पढ़ रहे राजस्थान के छात्रों को मिलेगा लाभ

विद्यार्थियों के लिए खुलेंगे नए रास्ते

आईआईटीआरएएम और सीआईपीईटी के बीच हुआ एमओयू

मृदुल पत्रिका, जयपुर, अहमदाबाद. आईआईटीआरएएम अहमदाबाद और सीआईपीईटी के बीच एकेडमिक और रिसर्च सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर आईआईटीआरएएम के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार जैन और सीआईपीईटी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस एमओयू का लाभ राजस्थान के छात्रों समेत उन सभी छात्रों को मिलेगा, जो इन संस्थानों में टेक्निकल कोर्सेज का अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही इनमें प्रवेश के लिए प्रयासरत हैं।

इस एमओयू के जरिए का उद्देश्य पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर, केमिकल इंजीनियरिंग और साइंस, मटीरियल साइंस और इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और साइंस से जुड़े अन्य क्षेत्रों में एकेडमिक व रिसर्च संबंधी कार्य करना है। यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन, कौशल विकास और उद्योग-उन्मुख तकनीकी गतिविधियों के लिए नए रास्ते बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआईटीआरएएम अहमदाबाद और सीआईपीईटी छात्रों के प्रोजेक्ट और थीसिस के लिए संयुक्त मार्गदर्शन, एकेडमिक कार्यक्रमों और आयोजनों में भागीदारी, संयुक्त रिसर्च और प्रोजेक्ट प्रस्ताव, फैकल्टी और तकनीकी कर्मचारियों के आदान-प्रदान, और संयुक्त कॉन्फ्रेंस और सेमिनार के आयोजन को बढ़ावा देंगे। यह समझौता आईआईटीआरएएम के छात्रों के लिए सीआईपीईटी केंद्रों पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और योग्य सीआईपीईटी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और प्रोजेक्ट स्टाफ के लिए आईआईटीआरएएम में पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन के अवसर भी प्रदान करेगा।

आग बुझाने के पाइप की जगह हाइड्रेंट में भरे थे नींबू-मिर्च

मृदुल पत्रिका, जयपुर। जयपुर के बड़े कपड़ा बाजार पुरोहितजी का कटला में आग लगने के बाद फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। आग बुझाने के लिए लगाए गए हाइड्रेंट पॉइंट में पानी की लाइन के बजाय नींबू-मिर्च रखे मिले। शुक्रवार को राज्य मानवाधिकार आयोग की टीम के निरीक्षण के दौरान यह स्थिति सामने आई। आग वाली जगह के पास मिला हाइड्रेंट पॉइंट भी चालू हालत में नहीं था। राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश जीआर मूलचंदानी ने निरीक्षण के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) देवेंद्र मीणा से फायर फाइटिंग सिस्टम की जांच को लेकर सवाल किए। उन्होंने पूछा कि इतने भीड़भाड़ वाले बाजार में लगे हाइड्रेंट और अग्निशमन व्यवस्था की आखिरी बार जांच कब की गई थी। सीएफओ ने बताया कि वर्ष 2023 में इसके संबंध में आवेदन मिला था। निरीक्षण के दौरान आयोग अध्यक्ष ने पूछा कि क्या अग्निशमन विभाग ने कभी इस हाइड्रेंट को चालू हालत में देखा या इसकी कार्यक्षमता की जांच की। सीएफओ ने बताया कि यह भवन का निजी हाइड्रेंट पॉइंट है और ऐसे बाजारों में आवेदन मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम जांच करती है। आयोग अध्यक्ष ने नगर निगम के हाइड्रेंट सिस्टम की स्थिति भी पूछी। अधिकारियों ने बताया कि कटले के बाहर दूसरी तरफ करीब 200 मीटर दूर सरकारी हाइड्रेंट है, लेकिन टेंडर नहीं होने के कारण वह भी चालू नहीं है। इस पर जस्टिस मूलचंदानी ने कहा कि हाइड्रेंट चालू नहीं है तो 200 मीटर ही नहीं, 2 मीटर की दूरी पर होने का भी कोई फायदा नहीं। उन्होंने कहा कि दमकल वाहनों को पानी भरने के लिए घाटोट तक जाना पड़ता है। इतने संकरे और भीड़भाड़ वाले बाजार में आग लगने की स्थिति में पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था जरूरी है। सीएफओ देवेंद्र मीणा ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत कटले के आसपास हाइड्रेंट सिस्टम लगाया गया था। घाटोट से करीब 8 किलोमीटर के क्षेत्र में कुल 14 हाइड्रेंट लगाए गए हैं। आयोग अध्यक्ष ने पूछा कि हाइड्रेंट सिस्टम को चालू कराने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से कोई प्रस्ताव दिया गया था या नहीं। इस पर सीएफओ ने बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना के समय अधिकारियों की ओर से व्यवस्था को यथावत लागू करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने इससे संबंधित रिपोर्ट भी आयोग अध्यक्ष को दिखाई।

श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में बच्चों ने दी प्रस्तुति

मृदुल पत्रिका, जयपुर। प्रतापनगर के श्योपुर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगंबर जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व के दौरान शुक्रवार को उत्तम आर्जव धर्म मनाया गया। इस मौके पर प्रातः मूलनायक भगवान चन्द्र प्रभू के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण विधान पूजा की गई। मंदिर समिति अध्यक्ष दिलीप पाटनी एवं महामंत्री नेमी चन्द बाकलीवाल ने बताया कि इससे पूर्व महाआरती के बाद श्री चन्द्र प्रभू नवयुवक मंडल एवं श्री चन्द्र प्रभू महिला मण्डल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभांश रग्रप के देवांश बाकलीवाल, आर्जव, आदविक, कार्तिकेय, लव्यांश, विभांश जैन एवं अन्य बच्चों ने नृत्य करते हुए बच्चे मन के अच्छे जिनशासन को वो निहारे....., तथा काव्या रग्रप की काव्या, कृति सुकृति एवं अन्य बच्चियों ने आयो रे पर्यूषण पर्व..... बोल पर मंगलाचरण किया। इसके बाद 48 दीपकों से संगीतमय भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। आशीष जैन, संभव अजमेरा, अनीता दोषी एवं नील कमल पाटनी कार्यक्रम के संयोजक थे। इस मौके पर प्रशांत पाण्डया, प्रतीक सेठी, विवेक जैन, अंकुर जैन, आशीष जैन, सुशीला पाण्डया, इन्दू दोषी, रत्न प्रभा पापडीवाल, अमिता साह, दिव्या बाकलीवाल, माधुरी बोहरा, श्रेया जैन सहित बड़ी संख्या में मंदिर प्रबंधकारिणी समिति, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति अभियान से राजस्थान में 80 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

मृदुल पत्रिका, जयपुर। नशा समाज के लिए अभिशाप है और इसका असर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हर वर्ग पर पड़ता है। नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर हर स्तर पर प्रयास कर रही हैं। राष्ट्रीय नशा मुक्त भारत अभियान के छह वर्ष पूरे होने के अवसर पर देशभर में एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान में अभियान के तहत 80 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबंधित विभागों के सचिवों और जिला कलेक्टरों को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्र सरकार से प्राप्त दिशा-निर्देशों की पूरी तरह पालना सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य सचिव ने कहा कि नशे की लत छोड़ चुके लोगों को भी अभियान से जोड़ा जाए। उनके अनुभव समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अभियान के दौरान विभिन्न स्तरों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के साथ लोगों को नशामुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई जाएगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2020 से संचालित अभियान के माध्यम से राज्य के सभी जिलों में अब तक 1,35,46,605 लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा चुका है। इसके अलावा 3,735 नशा मुक्ति मित्र पंजीकृत हैं, जो नशे से प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं।

शिव मंदिर और शिवलिंग स्थापना से शिवधाम मिलता है-शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

मृदुल पत्रिका, सलधा - बेमेतरा जिला के ग्राम सलधा जहां सवा लाख शिवलिंग का ऐतिहासिक मंदिर बन रहा है वहीं उत्तराम्नाय ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अनंत श्री विभूषित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का दिव्य भव्य चातुर्मास चल रहा है। सर्व प्रथम ग्रामवासी खम्हरिया के द्वारा पादुका पूजन किया गया। दण्डी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी महाराज ने सलधा शिवलिंग स्थापित करने वाले भक्तों के नाम की घोषणा की। अप्रमेय स्वामी जी ने विरुदावली का वाचन किया। परम पूज्य शंकराचार्य जी ने कहा कि भगवान् शिव आत्माराम आत्मकाम हैं जो स्वयं श्मशान में रहता हो उनके लिए विशाल भव्य मंदिर का निर्माण। जब भगवान शिव का भक्त भी घर परिवार से तात्पर्य नहीं रखता तब विशाल मंदिर का क्या तात्पर्य है। उनके पास हजार महल हैं फिर भी जो वृक्ष के नीचे बैठते हैं वो महादेव हैं। जो भगवान का मंदिर बनाता है उसे महान फल मिलता है भगवान के धाम की प्राप्ति होती है। जो सर्वव्यापी है वो मूर्ति और मंदिर में भी हैं। शिव भक्त को एक बार मंदिर बनवाना हि चाहिए। यदि अलग-अलग मंदिर सवालाख बनवाते तो बहुत जगह लेता गुरु महाराज की कृपा से एक जगह ही हम लोगों को सवालाख शिवलिंग और मंदिर बनवाने का पुण्य मिलेगा। नया मंदिर बनवाने की जगह पुराने मंदिरों के जीर्णोद्धार करने से अधिक पुण्य मिलता है। जो मंदिर में जीविका के लिए मजदूरी करता है उसे भी स्वर्ग मिलता है परिवार सहित। कोई मंदिर बनाने का मन करता है और उसकी मृत्यु हो जाय तो उसे भी पुण्य मिलता है। कुछ लोग कहते हैं कि मंदिर की जगह स्कूल बनाना चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली बदल गई है हम स्वयं पैसा देकर अपने बच्चों को ईसाई बना रहे हैं। जूता पहन कर पढ़ना खाना ये हमारी संस्कृति नहीं है। कुछ लोग कहते हैं कि मंदिर की जगह अस्पताल बनाना चाहिए जगह जगह अस्पताल बनाना याने के सोचना कि अधिक लोग बीमार पड़े ये उचित नहीं है। हमारी सनातन संस्कृति और दिनचर्या ऐसी है कि जिससे लोग बीमार ही ना पड़े हमेशा स्वस्थ रहें।

मुख्य सचिव से इंडियन ऑयल के चेयरमैन की शिष्टाचार भेंट

मृदुल पत्रिका, जयपुर। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास से शुक्रवार को सचिवालय में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के चेयरमैन श्री अरविंदर सिंह साहनी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री टी. रविकान्त, खान एवं पेट्रोलियम विभाग की विशिष्ट शासन सचिव श्रीमती नम्रता वृष्णी तथा वित्त (कर) विभाग के विशिष्ट शासन सचिव श्री नथमल डीडेल सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी उपस्थित रहे। आईओसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास एवं इंडियनऑयल के चेयरमैन श्री अरविंदर सिंह साहनी ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में राज्य में आईओसीएल के संचालन, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विषयों तथा कंपनी की विभिन्न गतिविधियों के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने प्रदेश में आईओसीएल के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक सहयोग एवं समन्वय सुनिश्चित करने की बात कही। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने राजस्थान में आईओसीएल के संचालन एवं विभिन्न परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। आईओसीएल के चेयरमैन श्री अरविंदर सिंह साहनी ने भी राज्य सरकार के साथ समन्वय एवं सहयोग के साथ कंपनी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

किसी भी प्रकार का नशा भविष्य के लिए घातक; नशा होता अच्छा माँ कहती खा मेरे बच्चाः डॉ. अशोक कुमार वर्मा

सादुलपुर (मदनमोहन आचार्य/ मृदुल पत्रिका)। आचार्य हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो पानी पत के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद एवं ब्यूरो के पुलिस उप-महानिरीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में नशे के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य विवेक रोहिल्ला की उपस्थिति में कार्यक्रम में 1150 छात्र छात्राओं और 90 वर्ग अनुदेशक एवं अनुदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी एवं उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाया कि नशीले पदार्थ व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक क्षमता, सामाजिक जीवन, पारिवारिक संबंधों तथा आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। डॉ. वर्मा ने कहा कि नशे की शुरुआत प्रायः जिज्ञासा, मित्रों के दबाव, अनुचित संगति अथवा दिखावे के कारण होती है। कई बार युवा इसे केवल मनोरंजन या शौक समझकर प्रारंभ करते हैं, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत उनके जीवन को प्रभावित करने लगती है। इसलिए नशे से बचने का सबसे सुरक्षित उपाय यही है कि नशे को न कहना सीखे। उन्होंने विद्यार्थियों को स्पष्ट किया कि केवल प्रतिबंधित मादक पदार्थ ही हानिकारक नहीं हैं, बल्कि चेतावनी सहित उपलब्ध नशीले पदार्थ भी स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हैं। तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और अन्य तंबाकू युक्त पदार्थों जैसे हुक्का का सेवन भी स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं में बढ़ते हुक्का सेवन पर विशेष चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हुक्का किसी भी दृष्टि से सुरक्षित नहीं है। इसे मनोरंजन, परंपरा अथवा मित्रों के साथ समय बिताने का साधन समझना युवाओं के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। डॉ. वर्मा ने कहा कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों से दूर रहना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक हुक्का, तंबाकू तथा अन्य चेतावनी वाले नशीले पदार्थों का त्याग करना भी है। युवाओं को यह समझना होगा कि नशामुक्त जीवन केवल कानून का पालन नहीं, बल्कि स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि नशे के कारण शरीर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, मानसिक एकाग्रता कम होती है तथा शिक्षा और रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नशे की आदत व्यक्ति को परिवार और समाज से दूर कर सकती है तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को भी कमजोर कर देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल, कौशल विकास, रोजगार, सामाजिक सेवा तथा रचनात्मक कार्यों में लगाने का आह्वान किया। भावनात्मक संदेश देते हुए डॉ. वर्मा ने कहा, 'नशा होता अच्छा तो माँ कहती–खा ले मेरे बच्चा।' उन्होंने कहा कि कोई भी माता अपने बच्चे को नशे की गिरफ्त में नहीं देखना चाहती। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने माता-पिता की आशाओं, अपने जीवन के लक्ष्य और उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए नशे से सदैव दूर रहना चाहिए। डॉ. वर्मा ने कहा कि नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल पुलिस या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी और समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर नशे के विरुद्ध जनचेतना उत्पन्न करनी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने मित्रों और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को नशीले पदार्थों की बिक्री, तस्करी अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलती है तो राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 पर निर्भीक होकर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाती है। डॉ. वर्मा ने कहा कि 'नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।

प्रतिबंधित मादक पदार्थों से दूरी के साथ-साथ हुक्का, तंबाकू तथा अन्य चेतावनी वाले नशीले पदार्थों का पूर्ण त्याग करना भी आज की युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत आवश्यक है।' कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के प्राचार्य विवेक रोहिल्ला ने ब्यूरो का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह बहुत ही लाभप्रद जानकारी थी।

भारत-अफगानिस्तान टी-20 सीरीज का समापन, नोहर की बेटी रुचि अग्रवाल ने कराया टॉस

नोहर (बालकृष्ण व्यास/ मृदुल पत्रिका)। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली गई तीन मैचों की टी-20 क्रिकेट श्रृंखला का समापन हो गया। श्रृंखला के दौरान नोहर का नाम भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इस बड़े आयोजन से जुड़ा रहा। प्रतियोगिता के एक मुकाबले में नोहर की बेटी एवं प्रयाग ग्रुप की डायरेक्टर रुचि अग्रवाल ने भारत और अफगानिस्तान की टीमों के बीच टॉस कराया। रुचि अग्रवाल नोहर के प्रवासी उद्योगपति सुरेश चाचाण की बेटी हैं तथा प्रतिष्ठित प्रयाग ग्रुप परिवार की बहू हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर के भारत-अफगानिस्तान मुकाबले में दोनों टीमों के बीच टॉस कराने का अवसर मिलने से नोहर क्षेत्र के लोगों में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। तीन मैचों की इस टी-20 श्रृंखला में भारत और अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचक मुकाबले देखने का अवसर दिया। श्रृंखला के दौरान क्रिकेट को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया। **प्रयाग ग्रुप ने किया स्पॉन्सर-** विदित रहे कि भारत और अफगानिस्तान के बीच खेली गई इस तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला को देश के प्रतिष्ठित प्रयाग ग्रुप ने स्पॉन्सर किया था। इसी आयोजन के तहत प्रयाग ग्रुप की डायरेक्टर रुचि अग्रवाल की मौजूदगी और उनके द्वारा टॉस कराए जाने से नोहर का जुड़ाव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मंच से हुआ।

रुचि अग्रवाल के टॉस कराने की जानकारी सामने आने के बाद नोहर के लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए गौरव का अवसर बताया। सामाजिक और औद्योगिक क्षेत्र में सक्रिय चाचाण परिवार की बेटी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन में प्रतिनिधित्व करना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गणेश कथा के चौथे दिन उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भगवान गणेश की महिमा का किया बखान

रावतसर (मृदुल पत्रिका)। 12वें गणेश महोत्सव के तहत आयोजित गणेश कथा के चौथे दिन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु पहुंचे और भगवान गणेश की महिमा का श्रवण किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण गणपति बप्पा के जयकारों से भक्तिमय हो उठा।

गणेश कथा का वाचन कर रहे कथा वाचक बजरंग लाल जी शास्त्री ने भगवान गणेश के स्वरूप, महिमा एवं उनकी आराधना के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने गणेश जी को प्रथम पूज्य देव बताते हुए उनके धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। शास्त्री ने कहा कि भगवान गणेश की आराधना श्रद्धा और विश्वास के साथ करने से मनुष्य को सकारात्मक ऊर्जा एवं सद्बुद्धि की प्राप्ति होती है। कथा के दौरान भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूपों एवं उनसे जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। श्रद्धालु कथा में पूरी तन्मयता के साथ शामिल हुए और धार्मिक प्रसंगों को ध्यानपूर्वक सुना। बीच-बीच में गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से कथा स्थल गूंजता रहा। महोत्सव के चौथे दिन महिलाओं की विशेष रूप से अच्छी भागीदारी रही।

बड़ी संख्या में महिलाएं कथा श्रवण के लिए पहुंचीं। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। 12वें गणेश महोत्सव को लेकर शहरवासियों में लगातार उत्साह बना हुआ है। महोत्सव के दौरान आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की बढ़ती भागीदारी से आयोजन स्थल पर भक्ति और आस्था का माहौल नजर आ रहा है।

सारथी महिला मंडल द्वारा षष्टम नंदोत्सव धूमधाम से मनाया गया

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। करणी कॉलोनी, मुरलीपुरा में सारथी महिला मंडल द्वारा षष्टम नंदोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। सारथी महिला मंडल की पूजा गोयल ने बताया कि नंदोत्सव के अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक नवीन गौतम और गणेश गुप्ता ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित भक्तों का मन मोहित कर दिया।

भजनों पर श्रद्धालु झूमने लगे और पूरा पांडाल 'नंद घर आनंद भयो' के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा सभी भक्तों को बधाइयां बांटी गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी भक्तों के लिए प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सुनीता खंडेलवाल, संगीता खंडेलवाल, संतोष अग्रवाल, सुनीता गोयल, रेनू गोयल, स्वाति सर्राफ, प्रियंका गुप्ता, सुनीता गुप्ता, दीपिका सोनी, वर्षा शर्मा, संतोष शर्मा, गौरी शर्मा, हेमलता शर्मा, स्वाति काबरा, प्रीति गोयल, रिचा राजोरिया, मीनू काबरा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

राजगढ़ शहर में हिसार रोड पर क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर सार्वजनिक निर्माण अधिशासी अभियंता से मरम्मत की मांग

सादुलपुर (मृदुल पत्रिका)। राजगढ़ शहर में हिसार रोड पर सड़क की खराब स्थिति एवं जगह-जगह बने गड्ढों को लेकर स्थानीय नागरिकों की ओर से संबंधित विभाग के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की गई है। ज्ञापन ज्ञापन देने वाले वार्ड नंबर 39 के टाइगर सुरेश कुमार जांगिड़ उर्फ बुल्ला खाती नेबताया कि वार्ड नंबर 38 के हिसार रोड पर काफी समय से सड़क क्षतिग्रस्त है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो जाती है तथा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सड़क की समस्या के संबंध में पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया था, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों ने विभाग से मौके का निरीक्षण करवाकर सड़क की आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र करवाने की मांग की है। ज्ञापन में टाइगर सुरेश कुमार जांगिड़ उर्फ बुल्ला खाती ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं करवाई गई तो आमजन को परेशानी के साथ-साथ यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है।

टाइगर सुरेश जांगिड़ ने चेतावनी दी यदि सड़क सही नहीं की गई तो मैं स्वयं सड़क पर धरने पर बैठूंगा। जिसके संपूर्ण जिम्मेवारी स्थानीय प्रशासन एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग की होगी।

भाकरां में गूंजा 'आशीर्वाद का दीया', पीएम मोदी की दीर्घायु की कामना

सादुलपुर (मृदुल पत्रिका)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिवस गांव भाकरां में उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गांव में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बच्चों ने प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

गांव के सच जनरल स्टोर, मोहल्ला चौक के पास, मेघवाल मोहल्ला, मील मोहल्ला एवं धानकान मोहल्ले में शाम 7 बजे महिलाओं और बच्चों ने अपने घरों, आसपास तथा गुवाड़ में दीप जलाए। कार्यक्रम के दौरान 'जिसने देश संवारा है, उनका आशीर्वाद हमारा है' जैसे नारों के साथ प्रधानमंत्री के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। कार्यक्रम में सिमरन मेहरा, ऋतु मेहरा, आयुष एवं अनामिका मेहरा वंश कुमार सहित महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान गांव में स्वच्छता का संकल्प भी लिया गया। गांव भाकरां के कार्यकर्ता नेतराम मेहरा ने बताया कि 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देने के साथ गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

सवाई माधोपुर-बयाना सेक्शन में औचक टिकट जांच अभियान, 50 मामलों में 38,635 का जुर्माना

कोटा (मृदुल पत्रिका)। यात्रियों में वैध एवं उचित टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सवाई माधोपुर-बयाना सेक्शन में औचक टिकट जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 50 मामले पाए गए, जिनमें नियमानुसार 38,635 का जुर्माना लगाया गया। जांच में 39 बिना टिकट यात्रियों पर 30,990, 7 अनियमित टिकट मामलों में 6,745 तथा बिना बुक सामान के 4 मामलों में 900 का जुर्माना लगाया गया। अभियान में टिकट जांच कर्मचारी राकेश पीपल, के.के. मीणा, देवेंद्र सिंह, हरि सिंह, शिव चरण, समय सिंह, भूर सिंह एवं रामकिलास तथा रेलवे सुरक्षा बल के आरक्षक गौरव कुमार ने भाग लिया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि नियम सम्मत यात्रा सुनिश्चित करने और वैध टिकट वाले यात्रियों के हित में इस प्रकार के जांच अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान वैध एवं उचित टिकट अवश्य रखें।

जमवाय माता की पन्द्रहवीं पद यात्रा शुक्रवार को गांधी पथ पश्चिम स्थित रघुनाथ मंदिर से रवाना हुई

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। मां जमवाय सेवा समिति के तत्वावधान में जमवाय माता की पन्द्रहवीं पद यात्रा 18 सितम्बर को गांधी पथ पश्चिम स्थित रघुनाथ मंदिर से रवाना हुई। समिति संरक्षक जयसिंह समर्धपुरा ने बताया कि यात्रा शुक्रवार 19 सितंबर 2026 को प्रातः 11बजे बजे लाल ध्वजाओं,शाही लवाजमे, डीजे की धुन जयकारो, चिरजाओ ओर बैंड- बाजो के साथ होकर तुम्बरी माता मंदिर रामगढ़ पहुंचेगी समिति के महामंत्री मनोहर सिंह पणदे के अनुसार दो दिवसीय यह यात्रा जयपुर से अनेको मार्गो से होती हुई जमवारामगढ़ स्थित कच्छावा वंश की कुलदेवी जमवाय माता मन्दिर 19 सितम्बर को पहुंचेगी। समिति के अध्यक्ष मदन सिंह खंगारोत ने बताया कि यात्रा का अन्य को जगह स्वागत पुष्प वर्षा करके किया जाएगा माता के भक्तों द्वारा कई जगह पेयजल एवं खान की व्यवस्था ओर सेवा की गई।

इस कार्यक्रम में महिलाओं की संख्या करीबन 800 थी माता के भक्त हाथों में ध्वजा उठाकर मैंया के जय कारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे डीजे की धुन पर मैया के भजन बैंड बाजे लवाजमे में के साथ यह यात्रा गांधी पार्क चित्रकूट सोडाला रामगढ़ मोड़ होती हुई जमवाय माता के मंदिर पहुंचेगी छोटे बच्चे एवं युवाओं में भी भरपूर जोश देखने को मिला हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी है यह 15वीं यात्रा निकाली गई।

स्वास्थ्य संरक्षण, उचित जीवनशैली एवं आहार-विहार पर विशेष ध्यान देता है आयुर्वेद-प्रोफेसर संजीव शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर और विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान के संयुक्त आयोजन में 'जीवनशैलीगत विकारों में आयुर्वेद की भूमिका' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य समापन हुआ। इस कार्यशाला का आयोजन जीवनशैली से जुड़ी विकारों की रोकथाम, प्रबंधन एवं स्वास्थ्य संरक्षण हेतु किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा, 'आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संरक्षण का एक सम्पूर्ण दर्शन है। यह हमें प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने, सही आहार और दिनचर्या के माध्यम से स्वस्थ जीवन बिताने का मार्ग दिखाता है। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सीताराम शर्मा, रजिस्ट्रार, इंडियन मेडिसिन बोर्ड, जयपुर उपस्थित थे। कार्यशाला में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर भारती कुमार मंगलम ने स्त्री रोगों, पीसीओडी, बंध्यत्व एवं महिलाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। वहीं, हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित साने ने कहा, 'आयुर्वेद विश्व की एकमात्र ऐसी चिकित्सा पद्धति है जो जीवनशैली, आहार-विहार और स्वास्थ्य संरक्षण पर विशेष जोर देती है। ' विश्व आयुर्वेद परिषद, राजस्थान के राष्ट्रीय सचिव डॉ. किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि जीवनशैलीगत विकारों की रोकथाम हेतु आयुर्वेद में वर्णित सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार आवश्यक है ताकि सामान्य जनता भी इनसे लाभान्वित हो सके। कार्यशाला के समापन अवसर पर संस्थान से डॉ. सुमन शर्मा, डॉ. महेंद्र प्रजापति, डॉ. ब्रज दत्त शर्मा, डॉ. रितेश रमनानी, और विश्व आयुर्वेद परिषद से डॉ. बाबूलाल बराला, डॉ. राकेश कुमार शर्मा, डॉ. पवन सिंह शेखावत ने उपस्थित अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की इन प्राचीन शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने पीसीओडी, बंध्यत्व, मूत्रजनित विकार, मधुमेह, हृदय रोग और अन्य जीवनशैलीगत विकारों में आयुर्वेद की भूमिका, उपचार पद्धतियों एवं व्यावहारिक अनुभवों पर विस्तृत चर्चा की। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए चिकित्सकों और प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

सम्पादकीय

अमेरिका का टैरिफ दबाव और भारत के ऊर्जा हित

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर दबाव बनाने की अमेरिकी कोशिश अब अमेरिकी संसद से आगे बढ़ चुकी है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर को रूस और ईरान से जुड़े प्रतिबंधों वाले विधेयक को 262-159 मतों से मंजूरी दे दी। इससे पहले सीनेट भी इसे पारित कर चुकी थी। विधेयक अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें भारत और अन्य देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ अपने आप लागू करने का प्रावधान नहीं, बल्कि राष्ट्रपति को परिस्थितियों के अनुसार 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है। यानी अभी यह देखना बाकी है कि राष्ट्रपति इस अधिकार का इस्तेमाल किस तरह करते हैं। यदि भारत पर ऐसा शुल्क लगाया जाता है तो इसका असर केवल भारत-अमेरिका व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दोनों देशों के संबंधों और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है। भारत ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने 1.4 अरब नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और बदलती परिस्थितियों के अनुसार तेल के स्रोतों में विविधता बनाए रखेगा। साथ ही भारत ने अपने आर्थिक और व्यापारिक हितों की रक्षा की प्रतिबद्धता भी दोहराई है। अमेरिकी विधेयक का घोषित उद्देश्य रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना और यूक्रेन युद्ध के लिए उसके संसाधनों को सीमित करना है। इसके समर्थकों का तर्क है कि रूस से तेल और गैस खरीदने वाले बड़े देशों पर शुल्क लगाने से मास्को पर दबाव बढ़ेगा। लेकिन यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर शुल्क लगाना युद्ध की जटिलता का पर्याप्त समाधान है या नहीं। रूस की युद्ध क्षमता को केवल भारत या चीन जैसे देशों के साथ उसके ऊर्जा व्यापार के आधार पर देखना समस्या को बहुत सरल बना देना होगा। युद्ध के पीछे सुरक्षा, भू-राजनीति, सैन्य रणनीति और अनेक देशों के हित जुड़े हैं। इसलिए किसी एक आर्थिक उपाय को युद्ध समाप्त करने का निर्णायक साधन मानना अपने आप में बहस का विषय है। भारत दुनिया के बड़े तेल आयातक देशों में है। रूस भारत के कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में बना हुआ है। ऐसे में अचानक किसी एक स्रोत से आयात कम करना केवल विदेश नीति का फैसला नहीं होगा, बल्कि घरेलू ऊर्जा कीमतों और अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल सकता है। भारत सरकार ने भी कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति का आधार देश की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखना और आपूर्ति स्रोतों में विविधता बनाए रखना है। यहीं अमेरिका के फैसले का सबसे बड़ा प्रभाव सामने आ सकता है। यदि भारत को रूस से तेल खरीदने पर अत्यधिक शुल्क का सामना करना पड़ता है और वह खरीद कम करता है, तो उसे दूसरे स्रोतों से तेल लेना होगा। वैश्विक बाजार में पहले से मौजूद भू-राजनीतिक तनाव के बीच इतनी बड़ी मांग का दूसरी ओर जाना कीमतों पर दबाव डाल सकता है। भारत के लिए इसका सीधा संबंध परिवहन लागत, उद्योग और अंततः आम उपभोक्ता से है।भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक बातचीत पहले से ही कई मुद्दों पर चल रही है। ऐसे समय में रूस से तेल खरीद के सवाल पर अतिरिक्त अमेरिकी दबाव दोनों देशों के बीच समझौते को और कठिन बना सकता है। भारत के लिए यह केवल शुल्क का प्रश्न नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि व्यापारिक संबंधों में दोनों पक्ष एक-दूसरे के आर्थिक हितों और रणनीतिक प्राथमिकताओं को कितना महत्व देते हैं। भारत ने अमेरिका के ताजा कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि इस घटनाक्रम का द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका के लिए भी भारत एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। इसलिए टैरिफ को केवल रूस पर दबाव बनाने के औजार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। उसका असर अमेरिकी कंपनियों, भारतीय निर्यातकों और दोनों देशों के उपभोक्ताओं तक पहुंच सकता है। अमेरिका के पास अब ऐसा विधायी अधिकार होगा जिसके आधार पर वह रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की कार्रवाई कर सकता है। लेकिन अधिकार मिलना और उसका इस्तेमाल होना दो अलग बातें हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के फैसले से ही यह स्पष्ट होगा कि अमेरिका इस प्रावधान को वास्तविक शुल्क में बदलता है या इसे बातचीत के दबाव के रूप में इस्तेमाल करता है। विधेयक में राष्ट्रीय हित के आधार पर छूट का प्रावधान भी मौजूद है। भारत के सामने भी चुनौती स्पष्ट है। उसे अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित रखते हुए अमेरिका समेत सभी प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ संवाद बनाए रखना होगा। रूस से तेल खरीद भारत की ऊर्जा नीति का एक हिस्सा है, जबकि अमेरिका के साथ व्यापार और रणनीतिक संबंध भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में टकराव बढ़ाने के बजाय बातचीत का रास्ता दोनों देशों के लिए अधिक व्यावहारिक हो सकता है। भारत को अपने आर्थिक और ऊर्जा हितों की रक्षा करनी होगी, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि व्यापारिक मतभेद व्यापक रणनीतिक संबंधों को अनावश्यक रूप से प्रभावित न करें। अंततः यह केवल टैरिफ का मामला नहीं है। यह इस बात की परीक्षा भी है कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में बड़े देश अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए एक-दूसरे के साथ किस तरह संतुलित संबंध बनाते हैं। भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता है और अमेरिका के लिए रूस पर दबाव उसकी घोषित नीति। दोनों उद्देश्यों के बीच रास्ता टकराव से नहीं, बल्कि स्पष्ट बातचीत और व्यावहारिक समझौते से निकल सकता है।

आज की कमाई से आगे, कल की सुरक्षा का भरोसा

> “ईपीएफओ की वेतन सीमा 15 हजार से बढ़कर 25 हजार रुपए हुई; 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने का अनुमान। सामाजिक सुरक्षा का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब कामगार के खाते में जमा होने वाली राशि के साथ उसे अपने अधिकारों और सुविधाओं तक आसान पहुंच भी मिले।

महीने की पहली तारीख को वेतन मिलते ही एक आम कामगार के सामने कई जरूरतें कतार में खड़ी हो जाती हैं। घर का किराया, राशन, बच्चों की फीस, बिजली-पानी के बिल और रोजमर्रा के दूसरे खर्च। आज की कमाई से आज का घर चलाना उसकी पहली चिंता होती है। लेकिन इसी कमाई के साथ एक सवाल हर महीने उसके घर लौटता है-कल का क्या होगा? बीमारी आ गई, काम प्रभावित हो गया या उम्र ढलने लगी तो परिवार का सहारा कौन बनेगा? सामाजिक सुरक्षा का असली अर्थ इसी अनिश्चितता को कम करना है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत अनिवार्य कवरेज की वेतन सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए प्रतिमाह कर दी है। यह बदलाव 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हुआ है और सरकार का अनुमान है कि इससे 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफओ कवरेज के दायरे में आ सकेंगे।ईपीएफओ की अनिवार्य कवरेज सीमा सितंबर 2014 में 15 हजार रुपए तय की गई थी। पिछले 12 वर्षों में वेतन, आय और औपचारिक रोजगार के स्तर में बदलाव आया है। सरकार का कहना है कि इसी बदलती आर्थिक स्थिति को देखते हुए सीमा को बढ़ाकर 25 हजार रुपए किया गया है। नई व्यवस्था में 15 हजार से 25 हजार रुपए मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग वैधानिक सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएगा। यह बदलाव केवल एक आंकड़े की वृद्धि नहीं है। इसका संबंध उस कामगार से है जिसकी आय इतनी है कि वह निम्न आय वर्ग से कुछ ऊपर तो पहुंच गया है, लेकिन बीमारी, बेरोजगारी या सेवानिवृत्ति जैसी परिस्थितियों के लिए पर्याप्त निजी बचत कर पाना अभी भी उसके लिए आसान नहीं है। ऐसे कर्मचारी के लिए भविष्य निधि जैसी संस्थागत व्यवस्था आज की आय के एक हिस्से को भविष्य के सहारे में बदल सकती है। एक ही कार्यस्थल पर काम करने वाले दो कर्मचारियों की आय में मामूली अंतर हो और केवल उस अंतर के कारण सामाजिक सुरक्षा के दायरे में बड़ा फर्क पैदा हो, तो व्यवस्था की सीमा पर सवाल उठना स्वाभाविक है। नई सीमा इस अंतर को कुछ हद तक कम करने का प्रयास है। भविष्य निधि की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यही है कि यह कर्मचारी की वर्तमान आय का एक हिस्सा भविष्य के लिए सुरक्षित करती है। कर्मचारी के अंशदान के साथ नियोक्ता का योगदान भी जुड़ता है। ईपीएफओ के तहत भविष्य निधि के साथ कर्मचारी पेंशन योजना और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी लागू प्रावधानों के अनुसार जुड़ी होती हैं। व्यावहारिक रूप से देखें तो कर्मचारी के हाथ में आने वाला मासिक वेतन कुछ कम हो सकता है। लेकिन इसे केवल वर्तमान आय में कमी के रूप में देखना अधूरा होगा। इसका दूसरा पक्ष वह राशि है जो लंबे समय में कर्मचारी के लिए वित्तीय सुरक्षा का आधार बनती है।

खासकर ऐसे परिवारों में, जहां आय का मुख्य स्रोत एक ही व्यक्ति हो, यह सुरक्षा भविष्य की अनिश्चितताओं से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यहीं सामाजिक सुरक्षा केवल बचत की व्यवस्था नहीं रह जाती। यह श्रमिक के आत्मसम्मान और आर्थिक आत्मनिर्भरता से भी जुड़ती है। वर्षों तक काम करने वाला व्यक्ति यह भरोसा चाहता है कि उसकी मेहनत का एक हिस्सा उसके कठिन समय में उसके साथ खड़ा रहेगा। हालांकि सामाजिक सुरक्षा का विस्तार केवल कवरेज बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। 51 लाख से अधिक नए कर्मचारियों को दायरे में लाने का अनुमान महत्वपूर्ण है, लेकिन असली कसौटी यह होगी कि इन कर्मचारियों को व्यवस्था का लाभ कितनी आसानी और पारदर्शिता से मिलता है। पिछले वर्षों में ईपीएफओ की सेवाओं में डिजिटल माध्यमों, यूनिवर्सल अकाउंट नंबर और ऑनलाइन सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इससे खाते, अंशदान और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़ा काम पहले की तुलना में आसान हुआ है। लेकिन तकनीक तभी सफल मानी जाएगी, जब वह कामगार के लिए व्यवस्था को सरल बनाए, न कि नई जटिलताएं पैदा करे। नए कर्मचारी को यह पता होना चाहिए कि उसका अंशदान कितना है, नियोक्ता कितना योगदान कर रहा है, उसका खाता सक्रिय है या नहीं और जरूरत पड़ने पर वह अपने अधिकारों का इस्तेमाल कैसे कर सकता है। सामाजिक सुरक्षा का मतलब केवल पैसा जमा होना नहीं, बल्कि उस पैसे और उससे जुड़े अधिकारों तक कामगार की वास्तविक पहुंच भी है। किसी देश की आर्थिक प्रगति को केवल जीडीपी, निवेश, नए कारखानों या रोजगार के आंकड़ों से नहीं मापा जा सकता। यह भी देखना होगा कि आर्थिक गतिविधियों में योगदान देने वाले लोगों के जीवन में कितनी स्थिरता आई है। यदि कोई कर्मचारी आज आठ-दस घंटे काम करके परिवार की जरूरतें पूरी करता है और उसी के साथ भविष्य के लिए भी कुछ सुरक्षित कर पाता है, तो आर्थिक विकास का लाभ उसके जीवन में दिखाई देता है। इसके विपरीत, यदि नियमित रोजगार के बावजूद बीमारी, दुर्घटना या वृद्धावस्था परिवार को आर्थिक संकट में धकेल देती है, तो विकास की तस्वीर अधूरी रह जाती है। सरकार के अनुसार ईपीएफओ सीमा बढ़ाने का उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने के साथ औपचारिक रोजगार को भी बढ़ावा देना है। सरकार ने इस फैसले से होने वाले अतिरिक्त वार्षिक व्यय का अनुमान करीब 11,339 करोड़ रुपए लगाया है। आगे की चुनौती यह होगी कि सामाजिक सुरक्षा का यह विस्तार रोजगार की गुणवत्ता, योगदान की नियमितता और सेवाओं की पहुंच से भी जुड़े। जितने अधिक कामगार औपचारिक व्यवस्था का हिस्सा बनेंगे, उतनी ही जरूरत ऐसी संस्थागत प्रणाली की होगी जो नौकरी बदलने के बावजूद उनके सामाजिक सुरक्षा अधिकारों को सहज रूप से साथ लेकर चले। भविष्य निधि में जमा रकम केवल खाते में बढ़ता हुआ आंकड़ा नहीं है। उसके पीछे किसी कर्मचारी के वर्षों का श्रम, परिवार की जिम्मेदारियां और भविष्य को लेकर उसकी उम्मीद जुड़ी होती है। इसलिए सामाजिक सुरक्षा को केवल सरकारी योजना या कर्मचारी के वेतन से होने वाली कटौती के रूप में देखना इसके व्यापक अर्थ को सीमित कर देता है। आज की मेहनत से आज का घर चलता है, लेकिन उसी मेहनत की एक हिस्सेदारी कल के लिए सुरक्षित हो तो कामगार के भीतर भविष्य को लेकर भरोसा पैदा होता है। ईपीएफओ की वेतन सीमा बढ़ने से अधिक कर्मचारियों को यह संस्थागत सुरक्षा मिलने का अवसर मिला है। अब इसकी सार्थकता इस बात में होगी कि यह अवसर वास्तविक सुरक्षा में कितना बदलता है। सामाजिक सुरक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल खाते बढ़ाना नहीं, बल्कि उन हाथों को भविष्य का सहारा देना है जो आज देश की अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से आगे बढ़ा रहे हैं।

यूपीआईः सुविधा मुफ्त रहे, व्यवस्था मजबूत भी बने

आज किसी व्यक्ति की जेब में नकदी न हो, तब भी भुगतान रुकता नहीं। मोबाइल में बैंक खाता और यूपीआई की सुविधा हो तो छोटी दुकान से लेकर बड़ी खरीदारी तक भुगतान कुछ सेकंड में हो जाता है। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर 24,162 करोड़ लेनदेन हुए, यानी औसतन करीब 66 करोड़ लेनदेन प्रतिदिन। यह व्यवस्था अब भारत की रोजमर्रा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुकी है और 11 देशों में भी संचालित हो रही है। यही विस्तार अब एक बड़ा सवाल सामने रखता है-इतने विशाल डिजिटल भुगतान तंत्र को सुरक्षित, तेज और भरोसेमंद बनाए रखने का खर्च आखिर कैसे पूरा हो? इस सवाल को समझते समय सबसे पहले आम उपभोक्ता की चिंता दूर करना जरूरी है। नए ढांचे में व्यक्ति से व्यक्ति यानी पीटूपी भुगतान पर किसी भी राशि के लिए शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसी तरह ?2,000 तक के व्यापारी भुगतान और निर्धारित छोटे व्यापारियों के लेनदेन भी शून्य एमडीआर के दायरे में रहेंगे। सरकार के अनुसार करीब 96 प्रतिशत व्यापारी लेनदेन भी इस बदलाव से अप्रभावित रहेंगे।

मीरा के फ्रिज से समझिए पूरा मामला-मान लीजिए मीरा किसी बड़े दुकानदार से 10,000 रुपए का फ्रिज खरीदती है। दोनों के बैंक खाते भारतीय बैंकों में हैं। मीरा यूपीआई एप के जरिए भुगतान करती है। यह लेनदेन बैंकों और भुगतान तंत्र के बीच पूरा होता है। ऐसे व्यापारी लेनदेन में मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर भुगतान स्वीकार करने वाले तंत्र की लागत का हिस्सा है।

नए ढांचे के अनुसार 2,000 से अधिक के पात्र व्यापारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। 75,000 या उससे अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 प्रति लेनदेन तक सीमित रहेगा। इसका भुगतान ग्राहक से अलग से वसूलने की व्यवस्था नहीं है; एमडीआर भुगतान तंत्र के संबंधित हिस्सेदारों के बीच बांटा जाता है। इसका अर्थ यह है कि मीरा को 10,000 के फ्रिज के लिए अलग से यूपीआई शुल्क नहीं देना है। वहीं मीरा अपनी मां को 10,000 भेजती है तो यह व्यक्ति से व्यक्ति भुगतान होगा और उस पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। राशि कितनी भी हो, पीटूपी भुगतान मुफ्त रहेगा।

शुल्क का मतलब उपभोक्ता पर कर नहीं-एमडीआर को लेकर सबसे ज्यादा भ्रम इसी बात पर हो सकता है कि क्या यह यूपीआई पर कोई नया कर है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि एमडीआर न तो

सरकार द्वारा वसूला जाने वाला कर है और न ही एनपीसीआई का शुल्क। यह भुगतान तंत्र में शामिल बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं और एप प्रदाताओं जैसे हिस्सेदारों के बीच वितरित होने वाला शुल्क है। इसलिए बहस का वास्तविक मुद्दा यह होना चाहिए कि इस शुल्क से जुटने वाला संसाधन कहां और किस तरह खर्च होगा। यूपीआई का विस्तार जितना हुआ है, उतनी ही बड़ी जरूरत सर्वर क्षमता, साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, तकनीकी अवसंरचना और शिकायत निवारण की है। अगस्त 2026 में यूपीआई पर एक महीने में 24,508.96 करोड़ लेनदेन दर्ज हुए, जो इसके विशाल संचालन पैमाने को दिखाता है।

अमेरिकी आपत्ति और भारतीय फैसला-दोनों को अलग-अलग देखना होगा-यूपीआई शुल्क की बहस में अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति का मुद्दा भी सामने आया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की 2026 की राष्ट्रीय व्यापार अनुमान रिपोर्ट में भारत की यूपीआई संबंधी कुछ नीतियों और बाजार-प्रवेश से जुड़े मुद्दों पर आपत्तियां दर्ज हैं। लेकिन किसी विदेशी रिपोर्ट में किसी नीति पर आपत्ति दर्ज होना अपने आप में यह प्रमाण नहीं है कि भारत ने शुल्क संबंधी फैसला उसी दबाव में लिया। ऐसे निष्कर्ष के लिए अलग और ठोस प्रमाण जरूरी होंगे। इसी तरह यूपीआई में किसी एप की बाजार हिस्सेदारी और एमडीआर से मिलने वाली आय को एक ही बात मानना भी सही नहीं होगा। शुल्क का वास्तविक बंटवारा किस हिस्सेदार को कितना मिलेगा, यह निर्धारित ढांचे और संबंधित समझौतों पर निर्भर करेगा। इसलिए केवल किसी एप की अधिक लेनदेन संख्या के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि शुल्क का सबसे बड़ा लाभ उसी कंपनी को मिलेगा, पर्याप्त आधार वाला तर्क नहीं होगा।

छोटे दुकानदारों की चिंता सबसे अहम-यूपीआई की असली ताकत बड़े शहरों के बड़े कारोबार से ज्यादा उन छोटे दुकानदारों में है, जिनके लिए डिजिटल भुगतान रोज की जरूरत बन चुका है। सरकार ने छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर की व्यवस्था जारी रखी है। 1 लाख रुपए तक मासिक यूपीआई क्यूआर भुगतान प्राप्त करने वाले पात्र छोटे व्यापारियों को इस सुरक्षा का लाभ मिलेगा। इसलिए आगे की व्यवस्था में शुल्क का बंटवारा पारदर्शी होना चाहिए और उसके प्रभाव की समय-समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए। आवश्यक सेवाओं और कम लाभ वाले क्षेत्रों के लिए अलग दरें रखी गई हैं, जिससे रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर लागत का प्रभाव सीमित रहे। यूपीआई की अगली चुनौती यही संतुलन है-नागरिकों के लिए भुगतान मुफ्त रहे, छोटे कारोबारियों पर अनावश्यक बोझ न पड़े और पूरे डिजिटल तंत्र की सुरक्षा व तकनीकी मजबूती के लिए पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध हों। एक दशक में यूपीआई जिस स्तर तक पहुंचा है, वहां केवल लेनदेन की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उसके साथ भरोसा, सुरक्षा, पारदर्शिता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता भी उतनी ही जरूरी है।

आखिरकार यूपीआई की सफलता इस बात से तय होगी कि वह कितने करोड़ लेनदेन करता है, इससे आगे बढ़कर इस बात से तय होगी कि करोड़ों लोगों के लिए वह कितना भरोसेमंद, सुलभ और टिकाऊ बना रहता है।

भारत के सामने फिर खड़ा हुआ शुल्क-युद्ध का खतरा

कुछ समय की नरमी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर शुल्क नीति के जरिए दबाव बनाने का रास्ता अपनाया है। सवाल यह है कि मौजूदा बहुध्रुवीय होती दुनिया में अमेरिका आखिर क्यों चाहता है कि दूसरे देश उसके प्रभाव क्षेत्र तक सीमित रहें। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जब देश अपने हितों के अनुरूप नए व्यापारिक और रणनीतिक विकल्प तलाश रहे हैं, तब किसी एक शक्ति के प्रभाव में रहने की अपेक्षा व्यावहारिक नहीं कही जा सकती। भारत भी उन देशों में है, जिसने पिछले कुछ समय में अपने लिए वैकल्पिक रास्ते खुले रखे हैं। यही वजह है कि बदलते वैश्विक समीकरणों और व्यापारिक दबावों के बीच वह अपनी ऊर्जा जरूरतों और आर्थिक हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर पा रहा है। हालांकि ऐसी परिस्थितियां अनावश्यक रूप से अतिरिक्त ऊर्जा और संसाधनों की मांग जरूर करती हैं। गौरतलब है कि अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' को मंजूरी दे दी है। इससे पहले अमेरिकी सीनेट भी विधेयक पारित कर चुकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन सकता है और इसके तहत रूस से तेल या अन्य ऊर्जा उत्पाद खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। यहां यह अंतर समझना जरूरी है कि विधेयक पारित होना और भारत पर 100 प्रतिशत शुल्क लग जाना एक ही बात नहीं है। वास्तविक शुल्क लगाने का फैसला आगे अमेरिकी प्रशासन को करना होगा। इसलिए फिलहाल इसे संभावित दबाव के औजार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। पिछले वर्ष भी रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारत को अमेरिकी शुल्क नीति का सामना करना पड़ा था। बाद में व्यापारिक समझौते के तहत अतिरिक्त शुल्क हटाया गया। अब नए विधेयक ने फिर यह आशंका पैदा कर दी है कि रूस से ऊर्जा खरीद के सवाल पर भारत और चीन जैसे देशों पर नए सिरे से दबाव बनाया जा सकता है। भारत ने हालांकि अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति स्रोतों में विविधता बनाए रखेगा और बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार फैसले करेगा। साथ ही अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रतिबद्धता भी जताई गई है। भारत की स्थिति को केवल अमेरिका-रूस विवाद के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। रूस से कच्चे तेल की खरीद पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी है। भारत जैसे बड़े और तेजी से बढ़ते अर्थतंत्र के लिए ऊर्जा की पर्याप्त और अपेक्षाकृत स्थिर आपूर्ति का सीधा संबंध महंगाई, उद्योग, परिवहन और आम उपभोक्ता से है। ऐसे में केवल बाहरी दबाव के कारण किसी एक ऊर्जा स्रोत से दूरी बनाना आसान फैसला नहीं हो सकता। अमेरिका को यह भी समझना होगा कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था बदल चुकी है।

अल नीनो की दस्तकः मौसम की चेतावनी को स्वास्थ्य सुरक्षा में बदलने का समय

प्रशांत महासागर में हजारों किलोमीटर दूर पानी का असामान्य रूप से गर्म होना भारत में किसी बच्चे के लिए डेंगू, किसान के लिए सूखा, मजदूर के लिए लू और पहाड़ के किसी गांव के लिए आपदा का कारण बन सकता है। जलवायु और स्वास्थ्य के इसी जटिल रिश्ते की ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन की 5 सितंबर को जारी 'ग्लोबल पब्लिक हेल्थ सिचुएशन एनालिसिस-अल नीनो 2026' ने ध्यान खींचा है। भारत को उन देशों में रखा गया है जहां इस जलवायु घटना से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम गंभीर हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ का संदेश साफ है-बीमारी फैलने का इंतजार करने के बजाय जोखिम का पूर्वानुमान लगाकर पहले से तैयारी की जाए। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 3 सितंबर की रिपोर्ट भी स्थिति की गंभीरता की ओर संकेत करती है। उसके अनुसार अल नीनो पूरी तरह स्थापित हो चुका है और आने वाले महीनों में इसके अत्यंत प्रबल होने की संभावना है। फरवरी 2027 तक इसके बने रहने की संभावना करीब 100 प्रतिशत आंकी गई है। अल नीनो कोई नई घटना नहीं है। सामान्यतः दो से सात वर्ष के अनियमित अंतराल पर मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर का पानी असामान्य रूप से गर्म होता है और इससे वायुमंडलीय परिसंचरण प्रभावित होता है। इसका असर हजारों किलोमीटर दूर वर्षा और तापमान के स्वरूप पर पड़ सकता है। भारत जैसे मानसून आधारित देश में इसलिए अल नीनो केवल मौसम का विषय नहीं है। इसका संबंध कृषि, खाद्य सुरक्षा, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और जनस्वास्थ्य से भी है। इस बार स्थिति इसलिए अधिक ध्यान देने योग्य है कि सितंबर-नवंबर के दौरान दुनिया के अधिकांश भूभागों में सामान्य से अधिक तापमान की आशंका जताई गई है। भारतीय उपमहाद्वीप भी इससे अछूता नहीं है। साथ ही हिंद महासागर में सकारात्मक 'इंडियन ओशन डाइपोल' बनने का अनुमान है। वैज्ञानिकों के लिए इसका अर्थ यह है कि भारत पर पड़ने वाला वास्तविक प्रभाव केवल अल नीनो से तय नहीं होगा। हिंद महासागर और स्थानीय मौसम प्रणालियां इसके असर को बढ़ा, घटा या बदल सकती हैं। इसलिए प्रत्येक सूखे, बाढ़ या बीमारी का अकेला कारण अल नीनो को बताना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा। स्वास्थ्य के मामले में भी यही सावधानी जरूरी है। अल नीनो स्वयं डेंगू या मलेरिया पैदा नहीं करता। वह तापमान, वर्षा और आर्द्रता जैसी परिस्थितियों को बदल सकता है, जिन पर मच्छरों का प्रजनन, जीवनचक्र और सक्रियता निर्भर करती है। कहीं अधिक वर्षा नए जलभराव पैदा कर सकती है तो कहीं सूखे के कारण घरों में पानी जमा करने की मजबूरी मच्छरों के प्रजनन स्थल बढ़ा सकती है। डब्ल्यूएचओ को दक्षिण एशिया में मलेरिया, डेंगू और कुछ अन्य संक्रामक रोगों को लेकर इसी वजह से चिंता है। भारत में महानगरों के साथ छोटे शहरों और कस्बों तक मच्छरजनित बीमारियों का फैलाव यह बताता है कि समस्या केवल मौसम की नहीं है। अनियोजित शहरीकरण, जलभराव, कचरा प्रबंधन की कमजोरी, निर्माण स्थलों पर जमा पानी और घरेलू जल भंडारण भी मच्छरों के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हैं। जलवायु संबंधी बदलाव और कमजोर नागरिक प्रबंधन मिलकर जोखिम बढ़ा सकते हैं।लेकिन अल नीनो की चेतावनी को केवल डेंगू तक सीमित करना उससे कहीं बड़े स्वास्थ्य संकट को नजरअंदाज करना होगा। अत्यधिक गर्मी अपने आप में बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है। लू और निर्जलीकरण के अलावा अधिक तापमान हृदय, श्वसन, गुर्दे और चयापचय संबंधी बीमारियों को गंभीर बना सकता है। गर्भवती महिलाएं, नवजात, बच्चे, बुजुर्ग, खुले में काम करने वाले श्रमिक और पहले से बीमार लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। डब्ल्यूएचओ ने अल नीनो से जुड़े प्रमुख स्वास्थ्य जोखिमों में अत्यधिक गर्मी, जलजनित और मच्छरजनित रोग, कुपोषण तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान को शामिल किया है। भारत के सामने चुनौती यह है कि एक क्षेत्र में वर्षा की कमी तो दूसरे में अतिवृष्टि जनस्वास्थ्य के लिए संकट बन सकती है। सूखा फसल और पेयजल उपलब्धता घटाकर खाद्य असुरक्षा तथा कुपोषण बढ़ा सकता है। दूसरी ओर बाढ़ पेयजल स्रोतों को दूषित करने, स्वच्छता व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच बाधित करने का कारण बन सकती है। यानी अल नीनो का स्वास्थ्य प्रभाव अस्पताल की चारदीवारी से कहीं बाहर तक जाता है। हिमालयी क्षेत्रों के लिए इसका एक और आयाम है। अत्यधिक वर्षा, भूस्खलन, सड़क अवरोध और बाढ़ तब ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं जब अस्पतालों तक पहुंच ही टूट जाए। तापमान और वर्षा में बदलाव मच्छरों के लिए पहले प्रतिकूल रहे ऊंचाई वाले क्षेत्रों की पारिस्थितिकी को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए दिल्ली, राजस्थान, बिहार, असम, केरल और उत्तराखंड के लिए एक जैसी स्वास्थ्य रणनीति कारगर नहीं हो सकती।

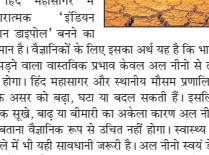

धौलपुर पुलिस ने कम्युनिटी पुलिसिंग में किया नवाचार, ऐतिहासिक देवछठ मचकुंड मेले में यूथ सीएलजी सदस्यों ने पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संभाली व्यवस्थाएं

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय, आपसी विश्वास एवं सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में धौलपुर पुलिस द्वारा कम्युनिटी पुलिसिंग को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में ऐतिहासिक देवछठ तीर्थराज मचकुंड के लख्खी मेले में धौलपुर पुलिस ने कम्युनिटी पुलिसिंग का एक अभिनव एवं प्रभावी उदाहरण प्रस्तुत किया।

दो दिवसीय मचकुंड मेले में लाखों श्रद्धालुओं एवं तीर्थ यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, यातायात, पार्किंग, भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। इन व्यवस्थाओं में पुलिस के साथ यूथ सीएलजी सदस्यों ने भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाते हुए कंधे से कंधा मिलाकर पुलिस का सहयोग किया। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी श्रवण कुमार झोरड़ के सुपरविजन में जिले में कम्युनिटी पुलिसिंग को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए सीएलजी, यूथ सीएलजी सदस्यों, सुरक्षा सखियों, पुलिस मित्र एवं आमजन के साथ निरंतर संवाद एवं समन्वय स्थापित किया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि आमजन को पुलिस व्यवस्था का सहभागी बनाकर सुरक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना भी है। देवछठ मचकुंड मेले में यूथ सीएलजी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी इसी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण रही।

देवछठ मचकुंड का मेला धौलपुर जिले की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा प्रमुख आयोजन है, जिसमें जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले के दौरान मचकुंड परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की गई। इस दौरान वृताधिकारी वृत्त धौलपुर प्रदीप नेहरा एवं थानाधिकारी थाना निहालगंज देवेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में यूथ सीएलजी सदस्यों ने पुलिसकर्मियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विभिन्न स्थानों पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने, लोगों को सावधानीपूर्वक स्नान करने एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियां बरतने के लिए समझाने से लेकर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तक यूथ सीएलजी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मेले में बड़ी संख्या में वाहनों के पहुंचने के कारण यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था भी एक महत्वपूर्ण चुनौती रही। यूथ सीएलजी सदस्यों ने पुलिस के साथ मिलकर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से पार्क कराने, यातायात को सुचारू बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को आवागमन में आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन देने का कार्य किया। इससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी से बचाने और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने में सहायता मिली। इसी प्रकार मेले में भारी भीड़ के बीच संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध परिस्थिति की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने में भी यूथ सीएलजी सदस्यों ने पुलिस के साथ समन्वय बनाए रखा। मेले में अपने परिजनों से बिछड़ने वाले बच्चों एवं अन्य व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाने में भी सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सहयोग किया गया। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता रखते हुए बच्चों एवं बुजुर्गों को आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया।कम्युनिटी पुलिसिंग की भावना को और प्रभावी रूप देने के लिए यूथ सीएलजी सदस्यों ने केवल सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं तक अपनी भूमिका सीमित नहीं रखी, बल्कि मचकुंड परिसर की स्वच्छता एवं साफ-सफाई बनाए रखने में भी सक्रिय योगदान दिया। मचकुंड की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ इसकी प्राकृतिक सुंदरता एवं पर्यावरण को बनाए रखने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा परिसर में साफ-सफाई रखने के लिए प्रेरित किया गया। मेले के दौरान पुलिसकर्मियों एवं यूथ सीएलजी सदस्यों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला। पुलिस जहां सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभा रही थी, वहीं यूथ सीएलजी सदस्य पुलिस के सहयोगी के रूप में आमजन के बीच रहकर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में अपनी भूमिका निभा रहे थे। इस सहभागिता से पुलिस और आमजन के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना को मजबूती मिली।मचकुंड मेले में यूथ सीएलजी सदस्यों द्वारा निभाई गई भूमिका को वहां उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आमजन ने भी सराहा। श्रद्धालुओं ने पुलिस के साथ युवाओं की इस प्रकार की सहभागिता को सकारात्मक पहल बताते हुए इसकी प्रशंसा की। इससे यह संदेश भी गया कि सुरक्षित एवं व्यवस्थित समाज के निर्माण में पुलिस के साथ आमजन की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। धौलपुर पुलिस का यह प्रयास कम्युनिटी पुलिसिंग की उस अवधारणा को मजबूत करता है, जिसमें पुलिस और आमजन एक-दूसरे के सहयोगी बनकर क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए मिलकर कार्य करते हैं। देवछठ मचकुंड मेले में यूथ सीएलजी सदस्यों की भागीदारी ने यह साबित किया कि जब पुलिस के साथ समुदाय के युवा जुड़ते हैं तो सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया है कि धौलपुर पुलिस द्वारा आगे भी सीएलजी, यूथ सीएलजी, सुरक्षा सखियों, पुलिस मित्र एवं आमजन के साथ निरंतर संवाद और सहभागिता बढ़ाते हुए कम्युनिटी पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास का रिश्ता और मजबूत हो तथा जिले में सुरक्षित, सहयोगात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण कायम रहे।

कांग्रेस पार्टी के पार्षदों पर दबाव डालने को लेकर कांग्रेस कमेटी ने सौपा ज्ञापन

टोंक (मृदुल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी ने 21 व 22 सितंबर को संपन्न होने जा रहे नगरीय निकायों के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के चुनावो को लेकर कांग्रेस पार्टी के पार्षदों व कांग्रेस का समर्थन करने वाले पार्षदों पर किसी भी प्रकार का अनुचित दबाव नहीं डाले जाने को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपा गया है।

ज्ञापन में बताया गया है कि जिले में कांग्रेस पार्टी को टोंक नगर परिषद तथा उनियारा व निवाई में पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है, साथ ही अन्य नगर पालिकाओं में भी कई स्वतंत्र उम्मीदवार कांग्रेस के अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों का समर्थन कर रहे हैं किंतु राज्य की भाजपा सरकार व भाजपा सरकार की प्रतिनिधि कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों व उनके परिजनों तथा कांग्रेस पार्टी का समर्थन कर रहे स्वतंत्र पार्षदों पर अनुचित दबाव डालकर उन्हें स्वतंत्र मतदान अपनी इच्छा अनुसार करने से रोकने का गैर कानूनी प्रयास कर रहे हैं जो कि सीधा-साधा लोकतंत्र पर हमला है। निर्वाचित प्रतिनिधियों को स्वतंत्र रूप से व अपनी इच्छा के अनुसार मतदान करने का अधिकार है, किसी भी निर्वाचित पार्षद पर सत्ता का दुरुपयोग कर पुलिस प्रशासन द्वारा व अन्य प्रकार से दबाव डालना न केवल अनुचित है बल्कि गैर कानूनी तथा आपराधिक कृत्य भी है। जिसको लेकर कांग्रेस कमेटी ने जिला पुलिस को ज्ञापन सौपकर आगामी 21 सितंबर को जिले में सभी नगरीय निकायों में संपन्न होने जा रहे सभापति व अध्यक्ष के चुनावों में तथा 22 सितंबर को संपन्न होने वाले उपसभापति व उपाध्यक्ष के चुनावो में कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों व कांग्रेस पार्टी के समर्थन करने वाले निर्दलीय पार्षदों पर किसी भी प्रकार का पुलिस व प्रशासनिक दबाव अनुचित रूप से नहीं किये जाने और उन्हें स्वतंत्रता पूर्वक मतदान किये जाने की पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग की।

त्यौहार भाईचारे, सौहार्द एवं खुशी के साथ मनाएं: अतिरिक्त जिला कलेक्टर

टोंक (मृदुल पत्रिका)। आगामी दिनों में तेजादशमी, जलझूलनी एकादशी (डोल ग्यारस) एवं अनंत चतुर्दशी के त्यौहारों को देखते हुए मेलों के आयोजन, विभिन्न समाजों के डोल एवं गणेश विसर्जन की यात्रा कार्यक्रम, कानून एवं शांति व्यवस्था की दृष्टि से शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद कुमार मीना की अध्यक्षता में कलक्टेऊट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि सभी लोग त्यौहार भाईचारे, सौहार्द एवं खुशी के साथ मनाएं। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट को यात्रा के मार्ग का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। नगर परिषद को सड़कों के गड्ढों को भरने, डोल एवं गणेश विसर्जन की यात्रा के मार्ग में आने वाले पेड़ों की छटाई करने तथा फायर ब्रिगेड की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। एडीएम ने पुलिस उपाधीक्षक मृत्युंजय मिश्रा को कहा कि आमजन की सुरक्षा एवं कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुख्य-मुख्य स्थानों पर पुलिस जाब्ता मुस्तैद रहें। एसडीआरएफ की टीमों का गठन कर नाव व गोताखोरों को चतुर्भुज तालाब पर तैनात रखा जाएं। मेला स्थल पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएं। उन्होंने सीएमएचओ को मेडिकल टीम एवं एम्बूलेंस की ड्यूटी लगाने के लिए निर्देशित किया साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों को विद्युत के ढीले तारों को कसने एवं जांचने के निर्देश दिए। बैठक में मोहन लाल गुर्जर ने कहा कि मेलों के आयोजन को लेकर नियुक्त पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराई जाए, ताकि किसी भी समस्या का त्वरित समाधान हो सके। पूर्व पार्षद अशोक बैरवा ने कहा कि बाबरों के चौक का क्षतिग्रस्त मार्ग को नगर परिषद शीघ्र दुरूस्त कराए। साथ ही, तालाब के आसपास लाईटिंग की उचित व्यवस्था रहे। पडित पवन सागर ने चतुर्भुज तालाब की साफ-सफाई कराने की बात कही। रोहिताश कुमावत ने कहा कि यात्रा को सुचारु रुप से बनाए रखने के लिए पुलिस जाब्ता पर्याप्त मात्रा में रहें। बैठक में तहसीलदार टोंक अजीतपाल सिंह, सीआई कोतवाली भंवर लाल वैष्णव, एएसआई टैऊफिक भैरूलाल, विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियंता आरडी मीना, आनन्द सोनी, पुरषोत्तम महावर, पवन कुमार महावर, रविन्द्र कुमार खंगार, तुलसीराम, हरिसिंह, ग्यारसीलाल, दामोदर प्रसाद, चन्द्रशेखर बैरवा एवं सुभाष चावल्या सहित कार्यक्रम आयोजन के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

धौलपुर में सभापति पद का इंतजार खत्म, गिरीश गर्ग निर्विरोध सभापति, भाजपा खेमे में खुशी की लहर!

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। नगर परिषद धौलपुर के सभापति पद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गिरीश गर्ग निर्विरोध सभापति घोषित हुए। सभापति पद के लिए कुल 7 प्रत्याशी मैदान में थे। नाम वापसी की अंतिम समय-सीमा तक एक-एक करके अन्य प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिए। इसके बाद मैदान में केवल गिरीश गर्ग ही शेष रहे और उन्हें निर्विरोध सभापति घोषित किया गया। निर्विरोध सभापति के साथ ही भाजपा खेमे में जश्न गिरीश गर्ग के निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा के बाद भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई।

उनके निवास पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पहुंचने लगे और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया और इस घटनाक्रम को धौलपुर की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उपलब्ध रिपोर्टों में गर्ग को भाजपा समर्थित सभापति बताया गया है।

गिरीश गर्ग ने जताया आभार नवनिर्वाचित सभापति गिरीश गर्ग ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व, जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहर के विकास, सड़क, सफाई, रोशनी और जलभराव जैसी समस्याओं पर प्राथमिकता से काम किया जाएगा।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, पूर्व मंत्री जगमोहन बघेल, राजा भैया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, प्रदीप सिसौदिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे धौलपुर में सभापति पद को लेकर चल रही सियासी सरगर्मी पर अब विराम लग गया है और गिरीश गर्ग के निर्विरोध निर्वाचन के साथ नगर परिषद की नई राजनीतिक तस्वीर साफ हो गई है।

मनदर्पण मॉड्यूल पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

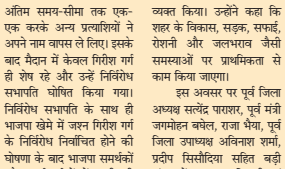

टोंक (मृदुल पत्रिका)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. शैलेंद्र चौधरी के निर्देशन में सीएमएचओ कार्यालय में मनदर्पण मॉड्यूल के संबंध में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ. योगेश कुमार ने प्रतिभागियों को मनदर्पण मॉड्यूल के उद्देश्यों, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा आवश्यक रेफरल एवं सहयोग सेवाओं के बारे में जानकारी दी। राजकीय मेडीकल कोलेज टोंक के प्रिन्सिपल डा.लोकेंद्र शर्मा ने कार्यस्थल पर तनाव की पहचान एवं तनाव प्रबंधन, छात्रों में परीक्षा तनाव तथा किशोरावस्था में मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर मनोरोग विभाग डा. ब्रजकिशोर सैनी एवं साइकियाट्रिक नर्सिंग आफिसर अमितेश योगी द्वारा प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न मॉड्यूल पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही 'गेटकीपर एवं एग्जाम स्ट्रेस मैनेजमेंट' मॉड्यूल के तहत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका समझाई गई। प्रतिभागियों को तनावग्रस्त व्यक्ति की पहचान कर उसे समय पर भावनात्मक सहयोग एवं आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के बारे में बताया गया। वही उप मुख्य चिकित्साल अधिकारी डा.नानूराम कुलदीप ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य माह के दौरान जिले के चिकित्सा एवं शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें निबंध प्रतियोगिता, क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य जागरूकता गतिविधियां शामिल रहेंगी।

नशा मुक्त अभियान में विभिन्न पुलिस थाना टीम ने करीब 45 किलो गांजा व 8 ग्राम स्मैक किया जप्त

टोंक (मृदुल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देषन में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत वृत्ताधिकारी मृत्युन्जय मिश्रा के सुपरविजन में मेहन्दवास थानाधिकारी रामसिह यादव के नेतृत्व में गठित विषेष टीम व डीएसटी टीम द्वारा सयुक्त कार्यवाही करते हुए क्षैत्र से दो वाहन की जाचं के दौरान उनमें मिले दो कटटो मे जिसमें से एक कट्टे में 20 किलो 720 ग्राम गांजा एवं दुसरे कट्टे मे 1 किलो 630 ग्राम अवैध गांजे को जप्त कर चालक लालाराम पुत्र कंकरपाल गुर्जर उम्र 38 साल व मुकेश महावर पुत्र बद्रीलाल महावर उम्र 42 साल निवासी कबीर भवन, सुभाष नगर को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में कुल 22.350 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया है, जिसकी अन्तरराष्ट्रीय कीमत 11 लाख रुपये बतायी जा रही है। इसी प्रकार इस अभियान में षाड षाना टीम ने कार्यवाही करते हुए क्षैत्र के भरनी पुलिया एनएच 52 से आरोपी मनोज माली पुत्र सीताराम उम्र 40 साल निवासी दुनी व कालुराम गुर्जर पुत्र भंवरलाल गुर्जर उम्र 38 साल निवासी कालाकांकरा थाना दुनी के कब्जे से 8 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक को जप्त कर आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही के दौरान आरोपी कालुराम की तलाषी में 940 रुपये नगद मिले जिन्हे जप्त किया गया एवं उनके द्वारा प्रयुक्त मोटरसाईकिल को भी जप्त किया गया। जानकारी के अनुसार मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये बतायी जा रही है। इसी क्रम में इस अभियान में बरोनी थाना पुलिस एवं जिला स्पेषल टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही के दौरान सोहेला गांव से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने एक घर के छोटे बाथरूम में चारे के बीच सफेद कट्टे में छिपाकर रखा 22 किलो 652 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है। बाजार में गांजे की कीमत करीब 11 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। थाना प्रभारी जयमल सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सोहेला गांव की टावर वाली गली में लालाराम गुर्जर के घर में भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर मिलने के बाद डीएसटी व थाना पुलिस की टीम ने घर पर दबिश देकर बाथरूम में चारे के बीच एक सफेद कट्टे की जांच करने पर उसमें 22.652 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपिया सुनीता पत्नी लालाराम गुर्जर (उम्र 30 वर्ष), निवासी टावर वाली गली सोहेला को गिरफ्तार किया गया है।

शिक्षक संघ अम्बेडकर संगठन का दो दिवसीय सम्मेलन समारोह सम्पन्न

टोंक (मृदुल पत्रिका)। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) टोंक के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 18 सितम्बर को सम्पन्न हुआ। जिसमें संयोजक मुकेश कराड़िया ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश उपसभाध्यक्ष सोहनलाल सिंगारिया ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश उपसभाध्यक्ष सोहनलाल सिंगारिया ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए शिक्षकों को नई तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरने की आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक शिक्षक को ।प् को सीखकर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के रूप में अपनाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा सके। वही घासीलाल गुर्जर ने गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा डॉ. राजकुमार रजक ने शिक्षा में सुधार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक प्रयासों पर अपने विचार व्यक्त किए। अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षा व्यवस्था तथा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर विचार रखे। जिला अध्यक्ष रामरतन खटीक ने संगठन की प्रगति, शिक्षक हितों तथा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए। सभाध्यक्ष जयंती प्रकाश गुवाल ने संगठन का मांग-पत्र सम्मेलन में प्रस्तुत कर उपस्थित सभी साथियों को पढ़कर सुनाया तथा शिक्षक हितों से जुड़े प्रमुख मुद्दों को सामने रखा।

संयम, आत्मशुद्धि के दशलक्षण महापर्व स्वर्ण कलशों से हुआ श्रीजी का अभिषेक

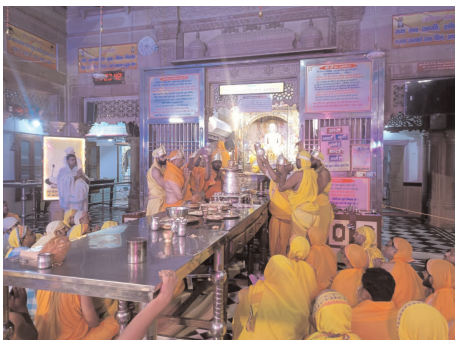

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। जैन समाज के द्वारा दश लक्षण महापर्व पर स्वर्ण कलशों से जी का प्रथम अभिषेक करने का शौभाग्य विमल जैन, करण जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

आज जैन धर्म के दस लक्षण महापर्व के तृतीय दिन उत्तम आर्जव (श्रेष्ठ सरलता) धर्म की पूजा सम्पन्न हुई मन्दिर जी मैं प्रातः काल स्वर्ण कलशों से जी का अभिषेक किया गया प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य परिवार को प्राप्त हुआ इसी क्रम में विश्व कल्याण के लिए प्रथम शान्ति धारा करने का शौभाग्य, श्रेष्ठी सतीश चन्द्र जैन, गिरीश चंद्र, उत्सव जैन एवं द्वितीय शान्ति धारा करने का शौभाग्य विमल कुमार, करण कुमार परिवार को प्राप्त हुआ उत्तम आर्जव धर्म पर बोलते हुए पंडित सांगोने संस्थान से पधारे सौरभ भैया शास्त्री ने कहा कि धर्म का अर्थ है मन, वचन, और काया में सरलता; और ईमानदारी का पालन करना। यह गुण व्यक्ति को अपने विचारों, शब्दों और कार्यों में सच्चा और निष्कपट बनाता है।

आर्जव से व्यक्ति का चरित्र मजबूत होता है और वह सत्य के मार्ग पर चल पाता है इस पर्व के दौरान, जैन धर्म के अनुयायी उपवास, प्रार्थना, ध्यान, और धार्मिक प्रवचन में संलग्न रहते हैं। यह पर्व आत्मशुद्धि और आत्मविकास के लिए एक अवसर प्रदान करता है, जहां व्यक्ति अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है।इस पर्व का मुख्य उद्देश्य आत्मशुद्धि, कर्मों का नाश, और आत्मज्ञान की प्राप्ति है। जैन धर्म में, आत्मा की शुद्धि और मुक्ति की प्राप्ति के लिए इन दस लक्षणों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है।

इन लक्षणों का पालन करके व्यक्ति अपने जीवन को शुद्ध, पवित्र, और संतुलित बना सकता है और मोक्ष की दिशा में अग्रसर हो सकता है। शाम को मन्दिर जी में सामूहिक आरती, सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।ठाकुर विनय कुमार जैन, जैन समाज के अध्यक्ष धनेश जैन, नेतराम जैन बाबूजी, रुपेश जैन, महामंत्री अमित जैन, प्रवास जैन, वैश्य समाज के अध्यक्ष सतीश चंद्र जैन, गिरीश चंद जैन, पवन कुमार जैन फॉस्टर कृष्ण मोहन जैन, धर्मशाला अध्यक्ष पवन जैन ,दिनेश कुमार जैन नागर, सुभाष चंद्र जैन डोंगरपुर, सुभाष चंद्र जैन सादिकपुर, नवाब रवि कुमार जैन, मुकुट माला पहनाने वाले लाल कुमार जैन पान वाले, राहुल जैन एडवोकेट, राजीव जैन बजाज राहुल कुमार जैन बजाज, यतेंद्र कुमार जैन बजाज, कमल जैन राम भरोसी लाल जैन, मेवाराम जैन कैलाश चंद्र जैन, प्रदीप जैन, धर्म शाला अध्यक्ष पवन कुमार जैन, सुबोध जैन, अशोक कुमार जैन, बनवारी लाल जैन, धर्मेंद्र जैन, एडवोकेट पूरन चंद जैन, विनय जैन रायल प्रकाश चन्द्र जैन, जगदीश प्रसाद जैन अनिल कुमार जैन दिलीप कुमार जैन विनोद कुमार जैन गौरव कुमार जैन पवन कुमार जैन दीपेंद्र कुमार जैन दीपचंद जैन राजकुमार जैन राजू विवेक जैन विमल कुमार जैन मनीष कुमार जैन जैकी जैन युवा जैन जितेंद्र कुमार जैन अमित कुमार जैन, आशु जैन, सुगम जैन, पंकज जैन, सनत जैन, जगदीश प्रसाद जैन, प्रिंस कुमार जैन सहित समाज जन मौजूद रहे।

रेल कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, वैगन रिपेयर कारखाना कोटा में निकाली जागरूकता रैली

कोटा (मृदुल पत्रिका)। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरित वातावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वैगन रिपेयर कारखाना, कोटा में पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में करीब 250 पुरुष एवं महिला रेलकर्मियों ने भाग लेकर स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल कार्यस्थल का संदेश दिया। कारखाना कोटा में मुख्य कारखाना प्रबंधक सुधीर सरवरिया के निर्देशन में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक पर्यावरण दिवस अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रतिदिन सफाई अभियान, पौधरोपण, नुक्कड़ नाटक, क्विज, पोस्टर प्रदर्शनी, प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध तथा पर्यावरण से संबंधित सेमिनार जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आयोजित पर्यावरण जागरूकता रैली को मुख्य कारखाना प्रबंधक सुधीर सरवरिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कर्मचारियों से अपने नियमित कार्य के साथ कार्यस्थल और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

रैली के माध्यम से कर्मचारियों एवं आमजन को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, हरित वातावरण विकसित करने तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर-1 दिलीप सिंह मीणा, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक श्याम दुबे, डब्ल्यूएम राजेश पटेल, एडब्ल्यूएम कृष्ण बैरवा, एसएमएम राकेश सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी सी.एल. बैरवा तथा एसएसई/आईएसओ ताराचंद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयपुर में ब्राह्मण समाज को महापौर पद के लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ज्ञापन सौंपा

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरथी चन्द शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जयपुर नगर निगम में ब्राह्मण समाज के जनप्रतिनिधि को महापौर पद पर चयनित करने के संबंध में समाज की जनभावनाओं, जनसांख्यिकीय योगदान और निष्ठावान राजनीतिक भागीदारी से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरथी चन्द शर्मा ने बताया कि जयपुर महानगर क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की एक विशाल और प्रभावशाली आबादी निवास करती है। शहर के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास में समाज की सदैव अग्रणी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज, विशेष रूप से अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज, पारंपरिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, राष्ट्रवादी विचारधारा और संगठनात्मक कार्यक्रमों में पूरी निष्ठा के साथ सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि जयपुर के प्रशासनिक और राजनीतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि स्थानीय निकाय नेतृत्व में ब्राह्मण समाज को उचित और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व मिले। समाज में अनुभवी, शिक्षित और कुशल नेतृत्वकर्ताओं की कोई कमी नहीं है जो नगर निगम के प्रशासनिक कार्यों को पूरी पारदर्शिता, निष्ठा और कुशलता के साथ संचालित कर शहर के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में पूरी तरह सक्षम हैं। महासभा ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है कि प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के कुशल नेतृत्व में समाज की इस न्यायसंगत माँग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग में एक नया उत्साह और सकारात्मक संदेश जाएगा।

राजभाषा सप्ताह के तहत कोटा मंडल में हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

कोटा (मृदुल पत्रिका)। पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा मंडल में राजभाषा सप्ताह के अंतर्गत हिंदी के प्रचार-प्रसार और सरकारी कार्यों में इसके अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागृह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि इस दौरान हिंदी प्रश्नमंच, स्वरचित काव्य पाठ और वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें मंडल कार्यालय के विभिन्न विभागों के रेलकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नमंच में राजभाषा नियमों, सामान्य ज्ञान और साहित्य से जुड़े प्रश्न पूछे गए, जबकि काव्य पाठ में प्रतिभागियों ने समसामयिक विषयों, राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनाओं पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।वाक् प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रभावी ढंग से अपने विचार रखे। प्रतियोगिताओं का संचालन एवं मार्गदर्शन राजभाषा अधिकारी अर्चना श्रीवास्तव द्वारा किया गया। राजभाषा सप्ताह के इन आयोजनों का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाना और कार्यालयीन कार्यों में इसके सहज एवं प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना है।

एसकेआईटी में शुभारंभ के साथ भविष्य के प्रबंधकों को सशक्त बनाने की पहल

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। एक नई और संभावनाशील शैक्षणिक यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामीत्थान (एस के आईटी), जयपुर के डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा 18 सितंबर 2026 को एमबीए बैच 2026-28 के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुभारंभ एमपीओवेरिंग फ्यूचर मैनेजर्स का आयोजन किया गया। महज औपचारिक स्वागत तक सीमित न रहकर यह कार्यक्रम अकादमिक ज्ञान, उद्योग जगत के अनुभवों तथा समकालीन प्रबंधकीय दृष्टिकोणों का सार्थक संगम बनकर उभरा।

एमपीओवेरिंग फ्यूचर मैनेजर्स की केंद्रीय भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधन के नवागंतुक विद्यार्थियों को बदलते पेशेवर परिवेश की अपेक्षाओं से परिचित कराना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुकूलन शीलता, नवाचार, नैतिक विवेक और सतत सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो ज्ञान, प्रकाश और बौद्धिक उन्नयन का प्रतीक रहा। डॉ. सविता चौधरी, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एसकेआईटी, ने उपस्थित अतिथियों, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभाग की शैक्षणिक संस्कृति, दृष्टिकोण एवं उपलब्ध अवसरों से परिचित कराया।

जयपाल मील, निदेशक, एसकेआईटी ने अपने मार्गदर्शी संबोधन में अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता के निरंतर प्रयास को सार्थक पेशेवर जीवन की आधारशिला बताया। मील ने भी कार्यक्रम में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और आयोजन में सहभागिता की। वहीं प्रो. (डॉ.) एस.एल. सुराना, निदेशक अकादमिक्स, एसकेआईटी ने प्रबंधन शिक्षा में अकादमिक गंभीरता, नवाचार, नैतिक मूल्यों तथा निरंतर बौद्धिक विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) रमेश पचार, प्राचार्य, एसकेआईटी, ने विद्यार्थियों को चुनौतियों का धैर्य एवं दृढ़ता के साथ सामना करने तथा नेतृत्व और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उद्योग जगत का महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य मुख्य अतिथि राकेश राव, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट, इस्टार्ट , राजस्थान, के संबोधन के माध्यम से सामने आया। अपने पेशेवर अनुभवों के आधार पर उन्होंने प्रोजेक्ट मैनेजमेंट की बदलती रूपरेखा तथा समकालीन कॉर्पोरेट परिवेश पर प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीकी दक्षता, अनुकूलनशीलता और भविष्य के लिए तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए इस बात पर बल दिया कि पेशेवर उत्कृष्टता का आधार मानवीय मूल्यों और नैतिक आचरण से जुड़ा होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जय सिंह चोरारिया, एसोसिएट डायरेक्टर, आदित्य फिनचेम प्रा. एल टी डी., ने विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली और अपेक्षाओं से परिचित कराया। उन्होंने दृढ़ता, अनुकूलनशीलता, उद्यमशील सोच तथा उद्योग-उन्मुख दक्षताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उद्यमिता का आयाम जोड़ते हुए विशिष्ट अतिथि संचीत टक्साली, को-फाउंडर, दानिक एजुवेंचर्स प्रा. एलटीडी . ने उद्यमिता, नवाचार और उभरते व्यवसायों के बदलते परिदृश्य से जुड़े महत्वपूर्ण दृष्टिकोण साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को अवसरों की पहचान करने, रचनात्मक चिंतन अपनाने तथा उद्यमशील दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि पूजा गोदारा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, फिनोवा कैपिटल , ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का दृष्टिकोण सामने रखते हुए प्रबंधन विद्यार्थियों के पेशेवर विकास के लिए आवश्यक दक्षताओं पर प्रकाश डाला। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, प्रभावी संचार, परिचालन दक्षता, टीमवर्क और निरंतर सीखने को समकालीन प्रबंधकीय क्षमता के महत्वपूर्ण आयामों के रूप में रेखांकित किया। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण दा मैनेजर ऑफ टू मारो : इंडस्ट्री एक्सपेक्टेशन्स फ्रॉम आ एमबीए विषय पर आयोजित पैनल डिस्कशन रहा। परिचर्चा में युवा प्रबंधन पेशेवरों से उद्योग जगत की बदलती अपेक्षाओं तथा तेजी से परिवर्तित होते कार्यस्थल में आवश्यक दक्षताओं पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। पैनल सत्र का संचालन डॉ. मनीषा कौशिक, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एसकेआईटी, ने किया। उन्होंने विभिन्न दृष्टिकोणों को एक साझा विमर्श में पिरोते हुए चर्चा को विद्यार्थियों को विचारशील, उत्तरदायी और भविष्य के लिए तैयार प्रबंधक बनाने के व्यापक उद्देश्य से जोड़ा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर उन्होंने आभार ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए विशिष्ट अतिथियों, संस्थान के शैक्षणिक नेतृत्व, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। पैनल परिचर्चा और अतिथियों के संबोधनों ने विद्यार्थियों को पारंपरिक अकादमिक अध्ययन से आगे बढ़कर प्रबंधकीय ज्ञान, पेशेवर दक्षता और वास्तविक उद्योग अपेक्षाओं के बीच के संबंध को समझने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के अवसर को समूह छायाचित्र के माध्यम से स्मरणीय बनाया गया, जिसके पश्चात हाई टी का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यार्थियों, अतिथियों एवं संकाय सदस्यों के बीच अनौपचारिक संवाद और परिचय का अवसर मिला। इसके बाद कार्यक्रम ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हॉल में आयोजित हेड ऑफ द लाइब्रेरी के जानकारीपरक सत्र की ओर अग्रसर हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को अकादमिक अध्ययन एवं शोध को समृद्ध करने के लिए उपलब्ध पुस्तकालय संसाधनों और सुविधाओं से अवगत कराया गया। अकादमिक मार्गदर्शन, उद्योग जगत के अनुभव, उद्यमशील दृष्टिकोण और सार्थक पेशेवर संवाद के सुविचारित समावेश के साथ शुभारंभः एमपीओवेरिंग फ्यूचर मैनेजर्स ' ए एमबीए बैच 2026-28 की नई शैक्षणिक यात्रा को उद्देश्यपूर्ण एवं प्रेरणादायी शुरुआत प्रदान की। कार्यक्रम ने ऐसे भावी प्रबंधकों की आधारभूमि तैयार करने का संदेश दिया, जो दक्षता, दृढ़ विश्वास और नैतिक मूल्यों के साथ भविष्य की व्यावसायिक दुनिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार हों।

शिरोमणि महासतियों की गाथाओं ने बांधा समां, भावपूर्ण लघु नाटिकाओं ने मोहा मन

मानसरोवर महिला मंडल के 33वें स्थापना दिवस पर खचाखच भरे सभागार में हुईं प्रेरणादायक प्रस्तुतियां

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। पर्वाधिराज दशलक्षण पर्व एवं मानसरोवर महिला मंडल, वरुण पथ के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को वरुण पथ जैन मंदिर स्थित विद्यासागर सभागार में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 विभा माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में शिरोमणि महासतियों के जीवन, त्याग, तपस्या और आदर्शों पर आधारित भावपूर्ण लघु नाटिकाओं की शानदार प्रस्तुतियां दी गई।

प्रचार संयोजक जिनेश कुमार जैन ने बताया कि मानसरोवर महिला मंडल की महिलाओं ने विभिन्न महासतियों के प्रेरणादायक जीवन प्रसंगों को अभिनय, संवाद और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से मंच पर जीवंत कर दिया। प्रस्तुतियों में धर्म, संस्कार, त्याग और नारी शक्ति का सुंदर समन्वय देखने को मिला। खचाखच भरे सभागार में मौजूद श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया और सभी प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। दिगंबर जैन महासमिति से पधारे अनिल जैन एवं उनकी टीम ने भी कार्यक्रम की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि श्वेता बाकलीवाल के निर्देशन, प्रस्तुतियों की तैयारी और मंच संचालन की उत्कृष्ट व्यवस्था किसी प्रोफेशनल टीम की प्रस्तुति से कम नहीं रही। उन्होंने श्वेता बाकलीवाल सहित समस्त महिला मंडल की प्रतिभागी महिलाओं के समर्पण और मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजेंद्र जी कासलीवाल, राजकुमारी जी कासलीवाल, मनोज जी सोगानी, प्रीति जी सोगानी, मोहनलाल जी गंगवाल,प्रो. आई.पी. जैन, प्रो. मृदुला जैन, जय ज्वैलर्स, रजत पथ एवं कलश रेस्टोरेंट सहित सभी सहयोगकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। महिला मंडल की अध्यक्ष डॉ. सुशीला टोंग्या ने बताया कि आगामी 23 सितंबर को महिला मंडल की ओर से एक और विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसका विषय 'संस्कारों की कमी का परिणाम' रहेगा। कार्यक्रम के माध्यम से वर्तमान समय में संस्कारों के महत्व तथा संस्कारों की कमी से परिवार और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष डॉ. सुशीला टोंग्या, मंत्री हिमानी जैन, कोषाध्यक्ष वीणा जैन, संयोजक नीतू पाटनी, परम संरक्षक चंद्रकांता छाबड़ा, संरक्षक मिथलेश गोधा, परामर्शकर्ता शशि सेन जैन एवं हीरामणि छाबड़ा सहित समस्त महिला मंडल सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन व कौशल विकास के लिए एमओयू

जयपुर/ अहमदाबाद (मृदुल पत्रिका)। आई आई टी आर एएम अहमदाबाद और सी आई पी ईटी के बीच एकेडमिक और रिसर्च सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर आई आई टी आर ए एम के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार जैन और सीआईपीईटी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) शिशिर सिन्हा की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। इस एमओयू का लाभ राजस्थान के छात्रों समेत उन सभी छात्रों को मिलेगा, जो इन संस्थानों में टेक्निकल कोर्सेज का अध्ययन कर रहे हैं।

साथ ही इनमें प्रवेश के लिए प्रयासरत हैं। इस एमओयू के जरिए का उद्देश्य पेट्रोकेमिकल्स, प्लास्टिक, पॉलिमर, केमिकल इंजीनियरिंग और साइंस, मटीरियल साइंस और इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी और साइंस से जुड़े अन्य क्षेत्रों में एकेडमिक व रिसर्च संबंधी कार्य करना है। यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करने और शिक्षा, रिसर्च, इनोवेशन, कौशल विकास और उद्योग-उन्मुख तकनीकी गतिविधियों के लिए नए रास्ते बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आई आई टी आर ए एम अहमदाबाद और सी आई पी ईटी छात्रों के प्रोजेक्ट और थीसिस के लिए संयुक्त मार्गदर्शन, एकेडमिक कार्यक्रमों और आयोजनों में भागीदारी, संयुक्त रिसर्च और प्रोजेक्ट प्रस्ताव, फैकल्टी और तकनीकी कर्मचारियों के आदान-प्रदान, और संयुक्त कॉन्फ्रेंस और सेमिनार के आयोजन को बढ़ावा देंगे। यह समझौता आई आई टी आर ए एम के छात्रों के लिए सी आई पी ईटी केंद्रों पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और योग्य सी आई पी ईटी वैज्ञानिकों, अधिकारियों और प्रोजेक्ट स्टाफ के लिए आई आई टी आर एएम में पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन के अवसर भी प्रदान करेगा।

सहकारिता विभाग की मासिक समीक्षा बैठक

विभागीय योजनाओं पर समस्त अधिकारी त्वरित कार्यवाही कर आमजन को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें: शासन सचिव, सहकारिता

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता डॉ. समित शर्मा ने नेहरू सहकार भवन में स्थित मीटिंग हॉल में शुक्रवार को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के क्रियान्वयन, अधिनियमान्तर्गत वैधानिक दायित्वों के निष्पादन तथा प्रशासनिक कार्यों के लिए की-परफोरमेंस-इण्डीकेटर्स (केपीआई) के आधार पर खण्ड एवं जिलों को रैंकिंग दी गई। बैठक में ब्लॉक सहकारी निरीक्षक श्रेणी में उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां जयपुर (शहर) में कार्यरत घनश्याम शर्मा को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर प्रमाण पत्र देकर शासन सचिव द्वारा सम्मानित किया गया। बैठक में 'सहकार से समृद्धि' अभियान के तहत विश्व की सबसे बड़ी अन्न भण्डारण योजना के अन्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों की संभाग/जिलेवार किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अन्तर्गत समयबद्ध गोदामों के निर्माण हेतु प्रस्ताव भिजवाना, भूमि आवंटन करवाना, अनुपयोगी गोदामों को उपयोगी बनाने, कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना करने एवं कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से ई-मित्र सेवाएं प्रदान करने, ई-पैक्स सर्टिफिकेट जारी करवाने के निर्देश प्रदान किये गए तथा भूमि विहीन केवीएसएस में गोदाम निर्माण हेतु भूमि आवंटन, जिले में गोदाम निर्माण के लिए लक्षित समितियों द्वारा प्रेषित प्रस्तावों तथा रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा स्वीकृत गोदाम निर्माण कार्यों को प्रारम्भ करने वाली समितियों की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्मित गोदामों के उपयोगिता प्रमाण-पत्र, पात्र 500 एमटी क्षमता वाले पंजीकृत गोदामों तथा जिले में केवीएसएस द्वारा उपयोग में लिए जा रहे गोदामों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गोदाम निर्माण केवल लक्ष्य पूर्ति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। डॉ. शर्मा ने बताया की सहकार से समृद्धि योजनान्तर्गत राज्य में डेयरी समितियों के गठन एवं निष्क्रिय डेयरी सहकारी समितियों को यथासंभव सक्रिय करवाने अथवा नही होने की स्थिति में शीघ्र अवसायन के निर्देश प्रदान किये। समस्त उप/सहायक रजिस्ट्रारों को जिला दुग्ध संघों से सूचना प्राप्त कर सक्रिय/निष्क्रिय समितियों तथा वर्तमान में रजिस्ट्रेषन हेतु लंबित समितियों को आगामी तीन दिवस में पंजीकरण करने के निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान उन्होंने समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु विभाग में लागू एईबीएस प्रणाली की समीक्षा करते हुए बार-बार कार्यालय में अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश प्रदान किए है। शर्मा ने धारा 55 एवं धारा 57(1) व 57(2) के अन्तर्गत लंबित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा की तथा धारा 25 के अन्तर्गत सोसाइटियों द्वारा आमसभा आयोजित किए जाने की स्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा अनावश्यक रूप से कोई प्रकरण लंबित नहीं रखा जाए। डॉ. शर्मा ने बैठक में राजकाज ई-फाइलिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित ई-फाइलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय के कार्यों में डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग करते हुए कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जवाबदेह बनाया जाए। सभी अधिकारियों को आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति में स्पष्ट सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने समयबद्धता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन को विभाग की प्राथमिकता बताते हुए सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। शासन सचिव ने प्रगति की समीक्षा करते हुए समस्त क्षेत्रीय अंकेक्षण अधिकारियों एवं विशेष लेखा परीक्षकों को चालू ऑडिट तथा बैक लॉग ऑडिट, पैक्स ऑन सिस्टम प्रगति (जिलेवार), ऑडिट फीस वसूली प्रगति, विशेष लेखा परीक्षक द्वारा अंकेक्षक (विभागीय सीएफ्सीए फर्म) द्वारा की गई ऑडिट समितियों का निरीक्षण, ऑडिट हेतु प्रयास कर आगामी 30 सितम्बर तक सम्पूर्ण ऑडिट कार्य सम्पन्न करने के निर्देष प्रदान किए। बैठक के दौरान उप रजिस्ट्रार के सभी प्रतिभागियों को गूगल डॉक्स के माध्यम से सहकारी अधिनियम तथा अधिनियमान्तर्गत ऑडिट के प्रावधानों के संबंध में जागरूकता हेतु एक बहुविकल्प आधारित ऑनलाईन टेस्ट का आयोजन कर उसका परिणाम घोषित किया गया।

सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के अंतर्गत सतर्कता कार्यक्रम

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। जयपुर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, आंचलिक कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के अंतर्गत विभिन्न शाखाओं नौगांव, सिरसी रोड, धौलपुर, महवा, सथाना बिजयनगर, बढ़ के बालाजी, करौली शाखा, सोनड़ शाखा के ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, ग्राहक सेवा केंद्रों इत्यादि में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया गया जिसमें सभी उपस्थित ग्राहकों, विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामवासियों को म्युल खाता, डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड, वीडियो कॉल फ्रॉड और भ्रष्टाचार से संबंधित जानकारी एवं बचाव के उपाय बताए गये एवं सतर्कता सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई। सभी को भविष्य में ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया इस अवसर पर सभी सम्माननीय ग्रामवासियों, ग्राहकों, विद्यार्थियों एवं उपस्थित कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली। कार्यक्रम का पर्वेक्षण संदीप चौरसिया, मुख्य प्रबंधक- सतर्कता, आंचलिक कार्यालय, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जयपुर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 जिसकी थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि ' है, के अंतर्गत आयोजित किया गया। सभी की सक्रिय भागीदारी से सतर्कता, सत्यनिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और अधिक मजबूत हुई।

मेरी आवाज़ ही पहचान है एक शाम, लता के नाम, लता मंगेशकर को सुरों भरी श्रद्धांजलि 28 को

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। राजस्थान की संगीतप्रेमी जनता के लिए एक बेहद खास और यादगार संगीतमय शाम का आयोजन होने जा रहा है। मेरी आवाज़ ही पहचान है नाम से आयोजित यह विशेष कार्यक्रम भारत रत्न, स्वर कोकिला लता मंगेशकर को उनकी 97वीं जयंती के अवसर पर एक भावपूर्ण संगीतमय श्रद्धांजलि होगी। सोमवार, बिरला ऑडिटोरियम, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, स्टैच्यू सर्किल, रामबाग में 28 सितंबर को यह आयोजन होगा। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन मधु जेड बेंड द्वारा किया जा रहा है, जिसमें देश के जाने-माने एवं प्रतिभाशाली कलाकार लता जी के सदाबहार गीतों को अपने सुरों में प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में मधु भाट (आयोजक एवं गायिका), रविंद्र उपाध्याय, रवि जैन, मारू कोकिला सीमा मिश्रा (राजस्थानी लता मंगेशकर), जावेद हुसैन, डॉ. गौरव जैन, संजय रायज़ादा, दीपशिखा जैन, किरण भाट और संजय माथुर (म्यूज़िक अरेंजर) सहित अनेक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इस अवसर पर मधु भाट ने कहा कि लता केवल एक महान गायिका नहीं थीं, बल्कि करोड़ों संगीतप्रेमियों की भावनाओं और यादों की आवाज़ थीं। उनके अमर गीतों को मंच पर प्रस्तुत करना हमारे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात है। हमारा प्रयास है कि यह शाम दर्शकों के लिए भावनाओं, संगीत और खूबसूरत यादों से भरी एक अविस्मरणीय शाम बने। कार्यक्रम में लता मंगेशकर के लोकप्रिय एवं सदाबहार गीतों के साथ-साथ संगीत की विभिन्न रंगों से सजी विशेष प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी।

यह आयोजन सिर्फ एक संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की महानतम स्वर-साधिका लता मंगेशकर जी के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक प्रयास है।

नगर परिषद धौलपुर में सभापति पद पर निर्विरोध निर्वाचन का मार्ग प्रशस्त होने पर मुस्कान समिति द्वारा आभार व्यक्त

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। नगर परिषद धौलपुर में सभापति पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता साफ हो गया है। सभापति पद के लिए दाखिल 7 नाम निर्देशन पत्रों में से 6 प्रत्याशियों द्वारा अपने नामांकन वापस लिए ज़ाने से लोकतंत्र की एक मिसाल कायम हुई है।

मुस्कान समिति उन सभी प्रत्याशियों - शराफत अहमद, कमलजीत सिंह, सत्यदेव कंसाना, सीमा शर्मा, सुभाष शर्मा एवं निशांत चौधरी का ह्रदय से आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए सभापति पद की दौड़ से स्वयं को अलग कर लिया। यह निर्विरोध निर्वाचन क्यों महत्वपूर्ण है 1.पार्टी पॉलिटिक्स से मुक्तिः भाजपा, कांग्रेस और बसपा द्वारा किसी भी प्रत्याशी को चुनाव चिन्ह नहीं दिया गया। अब सभापति का पद निर्दलीय के रूप में है, जिससे सभी 60 वार्ड पार्षदों पर किसी भी पार्टी का ठप्पा नहीं है।

अब उन पर 'बिकने-खरीदने' का आरोप भी नहीं लगेगा, क्योंकि वोट देने का अवसर ही नहीं मिला। 2. विकास का समान अवसरः अब सभी 60 वार्डों में समानता के साथ विकास कार्य - सीवर लाइन की सफाई, सड़क के दोनों ओर नालियां बनवाना, नालों की सफाई - का कार्य बिना भेदभाव के करने का ऐतिहासिक अवसर मिला है। 3. मुस्कान समिति के संकल्प के अनुरूपः उम्मीदवारों द्वारा एक योग्य उम्मीदवार पर भरोसा जताना, वास्तव में मुस्कान समिति के 'जनता के द्वारा, जनता के लिए' संकल्प को साकार करता है। **नव-निर्वाचित सभापति से उम्मीदें:** नगर परिषद की 66 कॉलोनियों में पिछले तीन वर्षों से जमा सीवर के गंदे पानी के कारण 7000 मकानों और 80,000 की आबादी का जीवन नारकीय बना हुआ है। अब सभापति के रूप में निर्विरोध निर्वाचित होने वाले भू-कारोबारी गिरीश गर्ग से उम्मीद है कि वे जमीनी हकीकत से भली-भांति परिचित होने के कारण इस समस्या का स्थायी समाधान करेंगे। ढाई वर्ष बाद विधानसभा चुनाव हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार को चाहिए कि वह निर्विरोध चुने गए सभापति को ताकत दे।

मुस्कान समिति की मांगः राज्य सरकार अविलंब स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर से 260 करोड़ की डीपीआर को मंजूर कर कार्य आदेश जारी करे और बिना किसी पार्टी पॉलिटिक्स के सभी वार्डों में जलभराव की समस्या का समाधान करे। नालों, नहरों, तालाबों, पोखरों, चारागाह जैसी सार्वजनिक भूमियों से अतिक्रमण हटाकर जल प्रवाह सुगम बनाया जाए।

सुशासन का वायदा करने वाली सरकार को अब अधिकारियों की मनमर्जी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना होगा। 'बीती ताहि बिसारिए, आगे की सुध ले' के भाव से कार्य करना होगा। निर्विरोध निर्वाचन से यह सिद्ध हो गया है कि हमारे सभी 60 पार्षद ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और धरातल पर कार्य करने में सक्षम हैं। मुस्कान समिति इसे परमात्मा का करिश्माई कार्य मानती है और इस कार्य में सहयोग करने वाले सभी का आभार व्यक्त करती है।

चिकित्सक आम जन को सहज, सुलभ और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराएं-राज्यपाल

यूरोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, एसएमएस कॉलेज एवं रीनल ट्रांसप्लांटेशन द्वारा लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप आयोजित

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक से चिकित्सा कौशल का विकास हो सकता है परंतु मानवीय संवेदना का स्थान तकनीक नहीं ले सकती। उन्होंने यूरोलॉजी के अंतर्गत मूत्र रोगों, प्रोस्टेट, गुर्दा प्रत्यारोपण आदि रोगों के प्रभावी उपचार के साथ इन रोगों के प्रति जागरूकता के प्रसार का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि रोग बढ़े इससे पहले ही कैसे सावधानी रखते उसे नियंत्रित किया जाए, इस पर भी चिकित्सक विशेष ध्यान दे लोगों को शिक्षित करें। बागडे शुक्रवार को एक निजी होटल में एसएमएस मेडिकल कॉलेज के डिपार्टमेंट ऑफ यूरोलॉजी एंड रीनल ट्रांसप्लांटेशन द्वारा आयोजित लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव की चर्चा

करते हुए कहा कि रोगों का निदान जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक यह भी है कि आम जन को सहज, सुलभ और सस्ती चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों को इलाज की बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के साथ यूरोलॉजी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर लाभान्वित किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा में उत्कृष्टता का अर्थ यह है कि वंचित और पिछड़े वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिया जाए। राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का कैसे सकारात्मक और प्रभावी उपयोग हो इस पर भी ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारत में आज भी दूसरे देशों के मुकाबले चिकित्सा सुविधाएं सार्वजनिक क्षेत्र में अधिक सुगम और बड़े स्तर पर निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना बताते हुए कहा कि इसमें पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज प्रदान किया जाता है। उन्होंने इस योजना से चिकित्सकों को अधिकाधिक लाभान्वित किए जाने का आह्वान किया।

इससे पहले लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप के बारे में कार्यशाला के संयोजक डॉ. शिवम प्रियदर्शी ने विस्तार से जानकारी दी। एसएमएस के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि यूरोलॉजी विभाग रोबोटिक सर्जरी के साथ आधुनिक चिकित्सा तकनीक में देशभर में अग्रणी है। डॉ. केशव मूर्ति ने यूरोलॉजी से जुड़े विभिन्न आयामों पर विचार रखें। राज्यपाल ने आरम्भ में दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला के शुभारंभ की घोषणा की।

मन से मजबूत राजस्थान मैराथन की टी-शर्ट का विमोचन, जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने किया विमोचन

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा मानसिक समस्याओं को लेकर व्याप्त झिझक एवं सामाजिक कलंक को कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं रोटरी क्लब धौलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली मन से मजबूत राजस्थान मैराथन रन फॉर मन की आधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने किया। मैराथन 20 सितम्बर को प्रातः 6.30 बजे नगर परिषद कार्यालय धौलपुर से प्रारंभ होकर मचकुंड पर संपन्न होगी। इसमें चिकित्सकों, विद्यार्थियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि

मानसिक स्वास्थ्य भी समग्र स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर खुलकर संवाद करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने जिलेवासियों, विशेषकर युवाओं से मैराथन में सक्रिय सहभागिता की अपील की। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि मानसिक परेशानी या तनाव की स्थिति में इसे छिपाने के बजाय परिवार, मित्रों अथवा विशेषज्ञों से संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में सहायक हैं। इस अवसर पर आईएमए अध्यक्ष डॉ. निखिल अग्रवाल, रोटरी क्लब धौलपुर से डॉ. बी.एम. मंगल एवं नोडल अधिकारी डॉ. सुमित मित्तल सहित अन्य उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करें-मुख्य सचिव राजस्थान में 80 लाख लोगों को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य

धौलपुर (मृदुल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि नशा समाज के लिए एक अभिशाप है, जो हर वर्ग को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार हर स्तर पर मिलकर कार्य कर रही है। श्रीनिवास शुक्रवार को शासन सचिवालय में नशा मुक्त भारत अभियान के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय नशा मुक्त भारत अभियान के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान में इस अभियान के तहत 80 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के सचिवों एवं जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करें तथा केन्द्र सरकार से अभियान के संबंध में प्राप्त दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान से ऐसे लोगों को भी जोड़ा जाए, जिन्होंने नशे की लत को छोड़ दिया है। उनके अनुभवों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्री दिनेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2020 से संचालित इस अभियान के माध्यम से राज्य के सभी जिलों में अब तक 1 करोड़ 35 लाख 46 हजार 605 लोगों को जागरूक किया गया है। साथ ही 3 हजार 735 नशा मुक्ति मित्र पंजीकृत किए गए हैं, जो नशा प्रभावित व्यक्तियों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न प्रकार की जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सोगरिया-दानापुर के बीच चलेगी साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन(6-6 ट्रिप)

कोटा मंडल के सोगरिया,बारां, सालपुरा और छबड़ा गुगोर स्टेशनों पर होगा ठहराव

कोटा (मृदुल पत्रिका)। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा गाड़ी संख्या 09823/09824 सोगरिया-दानापुर-सोगरिया साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन(6-6 ट्रिप) चलाई जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09823 सोगरिया-दानापुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 10 अक्टूबर से 14 नवंबर 2026 तक सोगरिया से रात 23:10 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन बारां 23:53 बजे, सालपुरा 00:28 बजे तथा छबड़ा गुगोर 00:48 बजे होते हुए रविवार को 23:45 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09824 दानापुर-सोगरिया स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 12 अक्टूबर से 16 नवंबर 2026 तक दानापुर से 00:15 बजे प्रस्थान करेगी। कोटा मंडल में यह ट्रेन मंगलवार को छबड़ा गुगोर 01:03 बजे, सालपुरा 01:18 बजे तथा बारां 01:53 बजे होते हुए 03:45 बजे सोगरिया पहुंचेगी। यह साप्ताहिक विशेष ट्रेन मार्ग में बारां, सालपुरा, छबड़ा गुगोर, रूठियाई, गुना, अशोक नगर, महादेवखेड़ी, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व ट्रेन के ठहराव, समय एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा अधिकृत रेलवे पूछताछ माध्यमों से प्राप्त कर लें।

कोकून हॉस्पिटल में पेशेंट सेफ्टी पर जागरूकता सेशन, सुरक्षित देखभाल को लेकर स्टाफ को किया जागरूक

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। कोकून हॉस्पिटल, जयपुर में मरीजों की सुरक्षा और बेहतर इलाज को प्राथमिकता देते हुए नर्सिंग एवं सपोर्टिंग स्टाफ के लिए पेशेंट सेफ्टी अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य हॉस्पिटल में मरीजों की देखभाल के दौरान छोटी-छोटी सावधानियों से लेकर सुरक्षित क्लिनिकल प्रैक्टिस तक, हर स्तर पर सेफ्टी स्टैंडर्ड को मजबूत करना रहा। सेशन का संचालन डॉ. आकांक्षा अग्रवाल ने किया।

उन्होंने मरीजों की सुरक्षा, सुरक्षित क्लिनिकल प्रैक्टिस और बेहतर पेशेंट एक्सपीरिएंस से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से

जानकारी साझा की। डॉ. आकांक्षा अग्रवाल ने कहा कि मरीज की सुरक्षा केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हेल्थकेयर टीम के हर सदस्य की साझा जिम्मेदारी है। सेशन में स्टाफ को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहते हुए मरीजों को सुरक्षित, भरोसेमंद और बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया। कोकून हॉस्पिटल में इस तरह के कार्यक्रमों के जरिए सेफ्टी, जिम्मेदारी और क्वालिटी केयर की मजबूत संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ मरीजों के लिए सुरक्षित और सकारात्मक हॉस्पिटल एक्सपीरिएंस सुनिश्चित करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है।

लोकल टू ग्लोबल का डिजिटल मंच है ऑन-गो-कार्ट, अब हर छोटा व्यापारी बनेगा बड़ाः विक्रम सिंह कविया

डिजिटल स्टार्टअप ऑन-गो-कार्ट स्थानीय व्यपार की बनी नई पहचान, छोटे दुकानदारो मिल रहा है व्यापार का बड़ा मंच

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। 17 सितम्बर शहरों की सड़कों, बाजारों और गलियों में रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध कराने वाले रेहड़ी, ठेला और छोटे दुकानदार अब डिजिटल दुनिया में भी अपनी व्यापार की पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। छोटे विक्रेताओं लोकल टू ग्लोबल बनाने के उद्देश्य से युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया का डिजिटल प्लेटफॉर्म स्टार्टअप ऑन-गो-कार्ट स्थानीय विक्रेताओं को एक अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए निःशुल्क ऑनलाइन मंच उपलब्ध करवा रहा है, जहां उनकी दुकान, ठेला या रेहड़ी की जानकारी ग्राहकों तक सीधे ऑनलाइन पहुंच सके। 'छोटा ठेला, बड़ी पहचान' और 'चलती-फिरती दुकानों का डिजिटल पता' जैसे संदेश के साथ ऑन-गो-कार्ट स्थानीय कारोबारियों को डिजिटल रूप से जुड़ने का नवीन अवसर प्रदान कर रहा है। कई छोटे व्यापारी ऑन-गो-कार्ट को अपनाकर व्यापार में सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। जिस तरह ग्राहक पहले बडी दुकानों और ऑनलाइन कारोबार को मोबाइल पर खोजते हैं, उसी तरह आसपास के स्थानीय ठेले और रेहड़ी भी डिजिटल माध्यम से दिखाई देंगी। युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया द्वारा विकसित यह डिजिटल स्टार्टअप देश के असंख्य स्थानीय, मध्यम, छोटे विक्रेताओं को व्यापार को नई उड़ान देने के साथ उन्हें व्यापार बढ़ाने के आर्थिक अवसर

प्रदान कर रहा है। फाउंडर इंजीनियर विक्रम सिंह कविया ने बताया कि ऑन-गो-कार्ट एप के माध्यम से दुकानदार अपनी दुकान की जानकारी ऑन-गो-कार्ट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर उसे ऑनलाइन ला सकते हैं। इसके माध्यम से ग्राहक संबंधित दुकान या ठेले की जानकारी खोज सकेंगे और उसकी लाइव लोकेशन जैसी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। प्लेटफॉर्म में स्मार्ट सर्च, प्रोडक्ट एवं कैटेगरी के आधार पर खोज, वेरीफाइड लिस्टिंग और डिजिटल विजिबिलिटी जैसी सुविधाओं को प्रमुखता दी गई है।

ऑन-गो-कार्ट आसपास मौजूद छोटे स्थानीय विक्रेताओं की जानकारी डिजिटल माध्यम से प्रदान कर फल-सब्जी विक्रेता, जूस की दुकान, चाट-पकौड़ी, कचौरी, चाय, स्नैक्स और अन्य स्थानीय कारोबार करने वाले दुकानदारों के लिए डिजिटल लिस्टिंग उनके व्यवसाय को नई पहुंच देने का माध्यम बन रहा है। आज के समय में छोटे कारोबार के लिए डिजिटल पहचान आवश्यक है। ऐसे में यदि स्थानीय दुकान या ठेला डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद होगी, तो संभावित ग्राहक तक उसकी पहुंच बढ़ सकती है। ऑन-गो-कार्ट स्थानीय कारोबारियों डिजिटल पहचान प्रदान करने के साथ उनके व्यवसाय को केवल सड़क या बाजार की मौजूदा लोकेशन तक सीमित रखने के बजाय ऑनलाइन ग्राहकों के सामने भी प्रस्तुत कर रहा हैं। ऑन-गो-कार्ट स्थानीय विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने के साथ उनकी मेहनत, उत्पाद तथा पहचान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान कर रहा है। स्थानीय विक्रेता प्ले स्टोर से ऑन-गो-कार्ट ऐप डाउनलोड कर अपनी दुकान की जानकारी दर्ज करके उसे ऑनलाइन प्रदर्शित कर सकते हैं। इसके बाद ग्राहकों को विक्रेता की लाईव लोकेशन, दुकान की जानकारी और उपलब्ध उत्पादों की जानकारी मोबाइल पर दिखाई जा सकती है। इससे ग्राहक श्वअपने आसपास मौजूद रेहड़ी, ठेले या छोटे विक्रेता को आसानी से खोज सकेंगे और विक्रेता को भी नए ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए 92512-12345 नंबर और वेबसाईट ऑन-गो-कार्ट.कॉम और इसके ऐप को गुगल प्ले और एप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

कोटपूतली नगर परिषद सभापति चुनाव में सियासी घमासान चरम पर

चार प्रत्याशियों की नाम वापसी के बाद तस्वीर साफ, भाजपा के कमल सैनी और कांग्रेस के रमेश चंद पायला के बीच सीधा मुकाबला

हाईब्रिड निर्दलीय प्रत्याशी इंजीनियर दिनेश मीणा, भाजपा के बागी एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी व सुषमा सैनी तथा कांग्रेस के बागी प्रकाश चंद सैनी ने वापस लिया नामांकन

कोटपूतली (धर्मवीर कुमावत/मृदुल पत्रिका)। नगर परिषद कोटपूतली के सभापति पद को लेकर चल रहा सियासी घमासान अब निर्णायक दौर में पहुंच गया है। शुक्रवार को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई। अब सभापति पद के लिए भाजपा के कमल सैनी और कांग्रेस के हाईब्रिड प्रत्याशी रमेश चंद पायला के बीच सीधा मुकाबला होगा। वहीं, चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश में मैदान में उतरे चार निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपने नामांकन वापस ले लिए हैं।

चार प्रत्याशियों ने वापस लिए नामांकन-

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम योगेश सिंह देवल ने बताया कि गुरुवार को छह प्रत्याशियों के नामांकन वैध पाए गए थे। इनमें भाजपा के कमल सैनी, कांग्रेस को सिंबल मिलने के बाद हाईब्रिड प्रत्याशी रमेश चंद पायला, निर्दलीय हाईब्रिड प्रत्याशी इंजीनियर दिनेश मीणा, भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय मैदान में उतरे एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी, सुषमा सैनी तथा कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में स्वीकार किए गए प्रकाश चंद सैनी शामिल थे। शुक्रवार को नाम वापसी के दौरान इंजीनियर दिनेश मीणा, एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी, सुषमा सैनी और प्रकाश चंद सैनी ने अपने-अपने नामांकन वापस ले लिए। इसके बाद भाजपा के कमल सैनी को पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल तथा कांग्रेस के रमेश चंद पायला को हाथ का आधिकारिक चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया। सभापति पद के लिए मतदान 21 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक नगर परिषद भवन में होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया जाएगा। वहीं उपसभापति का निर्वाचन 22 सितंबर को होगा। चुनाव को लेकर प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रखी जाएगी।

नाम वापसी के साथ बदले सियासी समीकरण-

नाम वापसी की प्रक्रिया शुरू होते ही चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कवायद को बड़ा झटका लगा। हाईब्रिड निर्दलीय प्रत्याशी इंजीनियर दिनेश मीणा ने निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांग्रेस से टिकट की उम्मीद में नामांकन दाखिल किया था। हालांकि, उनके समर्थन में बताए जा रहे पार्षदों के रुख को लेकर उन्होंने कोई स्पष्ट स्थिति नहीं बताई। दूसरी ओर भाजपा से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले पूर्व चेयरमैन एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी और उनकी पत्नी सुषमा सैनी ने पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना के नेतृत्व में निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर नामांकन वापस लिया। महेन्द्र सैनी ने प्रेस से बातचीत में कांग्रेस प्रत्याशी रमेश चंद पायला को समर्थन देने की बात दोहराई। वहीं, पूर्व चेयरमैन एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी ने कांग्रेस नेता रामनिवास यादव के साथ निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अपना नामांकन वापस लिया। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी हैं और पार्टी हित में ही उन्होंने नामांकन वापस लिया है।

भाजपा-कांग्रेस ने ठोके बहुमत के दावे-

नाम वापसी के बाद दोनों प्रमुख दलों ने अपने-अपने खेमे में पर्याप्त संख्या में पार्षदों के समर्थन का दावा किया है। सभापति चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पूरी ताकत के साथ रणनीति बनाने में जुटे हैं। पार्षदों की बाड़ाबंदी के साथ ही समर्थन जुटाने और समीकरण साधने का दौर अंतिम चरण में पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर भी चुनाव को लेकर चर्चाओं और दावों का दौर तेज हो गया है।

भाजपा ने युवा चेहरे कमल सैनी पर जताया भरोसा-

भाजपा ने वार्ड संख्या 24 से निर्वाचित करीब 30 वर्षीय युवा पार्षद कमल सैनी को सभापति पद का प्रत्याशी बनाया है। कमल सैनी छात्र जीवन से ही एबीवीपी से जुड़े रहे हैं और वर्ष 2019 में राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हो चुके हैं। वे पिछले निकाय चुनाव में भी भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। कमल सैनी को क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल का करीबी एवं विश्वासपात्र भी माना जाता है। नामांकन के बाद उन्होंने विकास कार्यों को गति देने तथा कस्बे की सफाई व्यवस्था को नियमित एवं बेहतर बनाना अपनी प्राथमिकता बताया था। विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि भाजपा आम परिवार से आने वाले पढ़े-लिखे कार्यकर्ता पर भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि कमल सैनी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर नगर परिषद के विकास को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

कांग्रेस ने हाईब्रिड सिस्टम से रमेश चंद पायला को उतारा-

कांग्रेस ने अंतिम समय में हाईब्रिड सिस्टम के तहत व्यवसायी रमेश चंद पायला को अपना प्रत्याशी बनाकर चुनावी मुकाबले को नया मोड़ दिया। पायला वार्ड संख्या 38 से पार्षद का चुनाव नजदीकी मुकाबले में हार गए थे। इसी दौरान उनके पिता के निधन के कारण उनकी दावेदारी कमजोर मानी जा रही थी, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने फिर से अपनी दावेदारी पेश की और पार्टी ने उन्हें सभापति पद के लिए मैदान में उतार दिया। भाजपा के बागी पूर्व चेयरमैन एडवोकेट महेन्द्र कुमार सैनी द्वारा पायला को समर्थन दिए जाने तथा कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के उनके पक्ष में एकजुट होने के बाद मुकाबले के समीकरण बदलते नजर आए हैं। रमेश चंद पायला ने कस्बे की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने, नगर परिषद की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने तथा स्थानीय कामगारों को रोजगार में प्राथमिकता देने की बात कही है। पायला वर्ष 2010 में मंडी अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ चुके हैं। उनके पुत्र एडवोकेट रामकुमार पायला कांग्रेस टिकट पर पालिका पार्षद रह चुके हैं।

60 सदस्यीय परिषद में निर्दलीयों के हाथ सत्ता की चाबी-

सभापति चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू नगर परिषद का संख्याबल है। 60 सदस्यीय नगर परिषद में भाजपा के 19, कांग्रेस के 13 और निर्दलीय 28 पार्षद हैं। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जातीय समीकरण भी चुनाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नगर परिषद में गुर्जर समाज के 20, सैनी (माली) समाज के 15, एससी वर्ग के 7, यादव समाज के 6 तथा जाट और मीणा (एसटी) समाज के 4-4 पार्षद हैं। इसके अलावा ब्राह्मण, बनिया, सोनी और बंजारा समाज से एक-एक पार्षद निर्वाचित हुए हैं। भाजपा विधायक हंसराज पटेल गुर्जर समाज से आते हैं, जबकि भाजपा ने सैनी (माली) समाज से आने वाले युवा कमल सैनी को प्रत्याशी बनाया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने गुर्जर समाज से आने वाले रमेश चंद पायला पर दांव लगाया है। ऐसे में चुनावी गणित के साथ सामाजिक समीकरण भी चर्चा का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं।

अंतिम दो दिन में जोड़-तोड़ और समर्थन जुटाने पर जोर-

नाम वापसी के बाद अब मुकाबला सीधे भाजपा और कांग्रेस के बीच रह गया है। दोनों खेमों ने अपने समर्थक पार्षदों को साधने के लिए रणनीति तेज कर दी है। पार्षदों की बाड़ाबंदी और समर्थन जुटाने का दौर जारी है। निर्दलीय पार्षदों की संख्या अधिक होने के कारण उनका रुख चुनाव के अंतिम परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अब सभी की नजरें 21 सितंबर के मतदान और मतगणना पर टिकी हैं। कोटपूतली नगर परिषद की राजनीति में अगले दो दिन बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत विद्यार्थियों ने ली रक्तदान की शपथ

कोटपूतली (धर्मवीर कुमावत/मृदुल पत्रिका)। राजपूताना पी.जी. कॉलेज कोटपूतली में गुरुवार को राज्य सरकार के निर्देशानुसार विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसेवा, जनभागीदारी, सुशासन एवं सामाजिक सरोकार की भावना को सुदृढ़ करने के साथ ही विकसित भारत-2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा। संस्था प्राचार्य डॉ. एच.एन. धोलीवाल ने बताया कि अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन को सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करने तथा जनहितकारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने स्वैच्छिक रक्तदान की शपथ ली। कार्यक्रम से संबंधित फोटो एवं वीडियो को विकसित भारत-जन सेवा अभियान पोर्टल पर अपलोड किया गया। विद्यार्थियों ने सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपप्राचार्य उमराव लाल, सहायक प्रोफेसर सुरेश कुमार रिवालिया, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, राजकुमार, राधेश्याम मोरवाल, राकेश पूनिया, हंसराज आर्य, लेखाकार केदार नाथ, कम्प्यूटर ऑपरेटर सचिन सिवोडिया, भूतेरी, धर्मपाल गुर्जर सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजस्थान प्रदेश नायक महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी एवम जिला अध्यक्षों की नियमित बैठक रविवार को

पिलानी। बाबूलाल घोघलिया ,मृदुल पत्रिका । दिनां20.09.2026 को 11 बजे किशान भवन ,लालकोठी जयपुर में आयोजित की जा रही है ।इस महत्वपूर्ण बैठक में जयपुर में छात्रावास निर्माण के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी तथा एसटी के मामले में भाजपा सरकार द्वारा कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं करने एवम टालमटोल करने की नीति के चलते राजस्थान के नायक समाज को कुछ कठोर निर्णय लेने होंगे जो इस मीटिंग में सर्वसमति से तय किए जाएँगे। अतः सभी प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों तथा जिला अध्यक्षों की उपस्थिति आवश्यक है ।बहुत खेद की बात है कि समाज के इस पुनीत कार्य को लेकर कुछ लोग गंभीर नहीं हैं । जो भी प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य और जिला अध्यक्ष लगातार गत बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं और इस मीटिंग में भी अनुपस्थित रहेंगे उन्हें या तो स्वम् पदत्याग कर देना चाहिए अथवा उन्हें पद से हटा दिया जाएगा कृपया सूचित रहें ।

यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में डिब्बों की अस्थाई बढोतरी

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी व 01 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी के डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 22491/22492, जोधपुर-दिल्ली-जोधपुर मंडोर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में जोधपुर से दिनांक 19 सितंबर 2026 से 25 सितंबर 2026 तक तथा दिल्ली से दिनांक 20 सितंबर 2026 से 26 सितंबर 2026 तक 01 सैकण्ड एसी व 01 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी के डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

संतुलित आहार व स्वस्थ जीवनशैली को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं - डॉ. अश्विनी गोयल

सुपोषित भारत अभियान के तहत 1,846 विद्यार्थियों व स्टाफ को पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता का दिया संदेश

कोटपूतली (धर्मवीर कुमावत/मृदुल पत्रिका)। सेवा भारती समिति, कोटपूतली द्वारा संचालित सुपोषित भारत अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को पोषण, संतुलित आहार, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अश्विनी गोयल ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व समझाते हुए कहा कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए पौष्टिक एवं संतुलित आहार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए केवल खानपान ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित व्यायाम तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को भी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। विद्यार्थियों से पौष्टिक भोजन अपनाने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया गया। अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में कुल 1,846 विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने सहभागिता की। इनमें 1,039 बालक, 720 बालिकाएं, 44 पुरुष स्टाफ तथा 43 महिला स्टाफ शामिल रहे। कार्यक्रमों में सेवा भारती समिति के जिला अध्यक्ष डॉ. रामसिंह यादव, जिला मंत्री महेश चंद सैनी, जिला स्वावलंबन आयाम प्रमुख छाजूराम सैनी, जिला स्वास्थ्य आयाम प्रमुख भूपेंद्र सोनी, जिला सह मंत्री नागर मल अग्रवाल, नगर मंत्री विजय कुमार आर्य, नगर उपाध्यक्ष सुरेश मीणा, सह नगर मंत्री सुभाष गुप्ता एवं जिला प्रचार प्रमुख सीताराम गुप्ता सहित समिति के कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। सुपोषित भारत अभियान के अंतर्गत मानवस्थली विद्या मंदिर सीनियर सैकण्डरी स्कूल, श्री गणेश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल नांगल पंडितपुरा, विवेक पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल टापरी रोड, श्री कृष्णा सीनियर सैकण्डरी स्कूल नांगल पंडितपुरा तथा माधव विद्यापीठ सहित अन्य विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस थाना चिड़ावा : अवैध धारधार गंडासा सहित आरोपी वसीम अकरम गिरफ्तार

चिड़ावा (मृदुल पत्रिका)। कावेन्द्र सिंह सागर आई.पी.एस- पुलिस अधीक्षक जिला झुन्झुनू के निर्देशानुसार, श्री देवेन्द्र सिंह राजावत आर.पी.एस. अति. पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय जिला झुन्झुनू के मार्गदर्शन एवं श्री गौरव गुर्जर आर.पी.एस. वृताधिकारी, वृत चिडावा के सुपरविजन मे श्री लक्ष्मी चंद वर्मा पु0नि0 थानाधिकारी थाना चिड़ावा के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये दिनांक 17.09.2026 को आरोपी वसीम अकरम को अवैध गंडासा सहित गिरफ्तार किया गया।

घटना व कार्यवाही विवरण- दिनांक 17.09.2026 को सूचना मिली कि एक लड़का व्यापारियो का मोहल्ला टेकड़े के पास कस्बा चिड़ावा में हाथ मे एक गंडासी लिये हुये घुम रहा है जो आने-जाने लोगो को भय मे डाल रहा है। जिस पर श्री बलबीर सिंह उ0नि0 मय गठित टीम के कार्यवाही हेतू रवाना होकर मुताबिक सूचना के कस्बा चिड़ावा मे व्यापारियो के मोहल्ले मे पहुचे जहा पर मुखबीर के बताये हुलिये के एक व्यक्ति दिखाई दिया। जो पुलिस की गाड़ी व पुलिस पार्टी को देखकर धीरे धीरे खिसकने की कोशीश करने लगा जिसको मौके पर ही राउण्डअप किया जाकर नाम पता पुछा तो अपना नाम वसीम अकरम पुत्र अब्दुल हमीद उम्र 38 साल निवासी वार्ड न0 13 व्यापारीयो का मोहल्ला चिड़ावा कॉलेज के पास कस्बा चिड़ावा का होना बताया । जिसको चैक किया गया तो हाथ मे एक धारधार गंडासा लिये मिला। शक्स वसीम अकरम को उक्त लोहे का धारदार गंडासा को अपने पास रखने व सरेआम सड़क पर हाथ मे लेकर घुमने के संबंध मे वैध लाईसेंस व अनुज्ञापत्र बाबत पूछा गया तो उसने अपने पास कोई लाईसेंस व अनुज्ञापत्र नहीं होना बताया। धारधार गंडासा को जप्त किया जाकर शक्स वसीम अकरम को गिरफ्तार किया जा सका।

गाजियाबाद यार्ड में तकनीकी कार्य के चलते 19 सितंबर को साबरमती-ऋषिकेश रेलसेवा का मार्ग परिवर्तन

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। दिल्ली मंडल के गाजियाबाद स्टेशन यार्ड में चल रहे तकनीकी कार्य के कारण साबरमती से योगनगरी ऋषिकेश जाने वाली रेलसेवा का मार्ग बदला गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, गाड़ी संख्या 19031 साबरमती-योगनगरी ऋषिकेश रेलसेवा, जो 19 सितंबर 2026 को साबरमती से प्रस्थान करेगी, परिवर्तित मार्ग दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-नोली-शामली-टपरी होकर संचालित होगी।

इन स्टेशनों पर नहीं रुकेगी ट्रेन

मार्ग परिवर्तन के कारण इस रेलसेवा का नियमित मार्ग के कुछ स्टेशनों पर ठहराव नहीं होगा। ट्रेन गाजियाबाद, नया गाजियाबाद, मंडी धनौरा, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, सकौती टांडा, मुजफ्फरनगर एवं देवबंद जंक्शन स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी।

यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-समस्तीपुर-श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों पर यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-समस्तीपुर- श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 04731, श्रीगंगानगर-समस्तीपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 18.10.26 से 29.11.26 तक (07 ट्रिप) श्रीगंगानगर से प्रत्येक रविवार को 13.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 23.15 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 04732, समस्तीपुर-श्रीगंगानगर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा दिनांक 20.10.26 से 01.12.26 तक (07 ट्रिप) समस्तीपुर से प्रत्येक मंगलवार को 00.45 बजे रवाना होकर अगले दिन 12.20 बजे श्रीगंगानगर पहुँचेगी। यह रेलसेवा में सादुलशहर, हनुमानगढ, संगरिया, मंडी डबवाली, रामां, सिरसा, मंडी आदमपुर, हिसार, हांसी, रोहतक, दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, *देवरिया सदर, सीवान,* छपरा, सोनपुर, हाजीपुर व मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 01 सैकण्ड एसी, 02 थर्ड एसी, 11 द्वितीय शयनयान, 04 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

यात्रियों के लिए राहत की खबर, मुंबई से भिवानी जाने वाली स्पेशल ट्रेनों का बढ़ा संचालन

इत्योहारी सीजन में अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए रेलवे का फैसला, दोनों ट्रेनों के संचालन में हुआ विस्तार

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाले अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। यात्रियों की सुविधा और सुगम रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं बांद्रा टर्मिनस से भिवानी के बीच संचालित होने वाली दो जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि बढ़ाई गई है। संचालन अवधि बढ़ने से राजस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों को आवागमन के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए इन दोनों स्पेशल रेलसेवाओं के अतिरिक्त फेरे निर्धारित किए गए हैं।

गाड़ी संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल-भिवानी-मुंबई सेंट्रल द्वि-साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि बढ़ाई गई है। गाड़ी संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल से 09 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक 15 ट्रिप संचालित होगी, जबकि वापसी में गाड़ी संख्या 09002 भिवानी से 10 अक्टूबर से 28 नवंबर 2026 तक 15 ट्रिप चलेगी। यह रेलसेवा कुल 22 डिब्बों की होगी। इसमें 03 थर्ड एसी, 15 द्वितीय शयनयान, 02 साधारण श्रेणी तथा 02 गार्ड डिब्बे शामिल होंगे।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09005/09006 बांद्रा टर्मिनस-भिवानी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में भी विस्तार किया गया है। गाड़ी संख्या 09005 बांद्रा टर्मिनस से 14 अक्टूबर से 25 नवंबर 2026 तक 07 ट्रिप संचालित होगी, जबकि गाड़ी संख्या 09006 भिवानी से 15 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026 तक 07 ट्रिप चलेगी। इस रेलसेवा में भी 03 थर्ड एसी, 15 द्वितीय शयनयान, 02 साधारण श्रेणी एवं 02 गार्ड डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बे होंगे।

कुछ फेरे परिवर्तित मार्ग से होंगे

रेलवे ने यात्रियों की जानकारी के लिए यह भी स्पष्ट किया है कि गाड़ी संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल-भिवानी स्पेशल के मुंबई सेंट्रल से 02 एवं 06 अक्टूबर 2026 तथा भिवानी से 03 एवं 07 अक्टूबर 2026 को चलने वाले फेरे परिवर्तित मार्ग वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर होकर संचालित होंगे।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09005/09006 बांद्रा टर्मिनस-भिवानी स्पेशल का बांद्रा टर्मिनस से 07 अक्टूबर 2026 तथा भिवानी से 08 अक्टूबर 2026 को संचालित होने वाला फेरा भी परिवर्तित मार्ग वडोदरा-अहमदाबाद-पालनपुर होकर चलेगा।

रेलवे के इस निर्णय से त्योहारी एवं अवकाश के दौरान मुंबई, गुजरात और राजस्थान के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी तथा यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में सुविधा मिलेगी।

अमृतसर-जालंधर रेलखंड पर तकनीकी कार्य, राजस्थान से चलने वाली कई ट्रेनें प्रभावित

जालंधर स्टेशन यार्ड और ब्रिज संख्या 28 पर कार्य के चलते आंशिक रद्द, दो रेगुलेट और दो रीशेड्यूल

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल द्वारा जालंधर स्टेशन यार्ड एवं ब्रिज संख्या 28 पर तकनीकी कार्य के लिए ब्लॉक लिया जा रहा है। इसके चलते रेल यातायात प्रभावित रहेगा और उत्तर पश्चिम रेलवे की कुछ रेलसेवाओं के संचालन में बदलाव किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार, कार्य के कारण कुछ रेलसेवाओं को निर्धारित मार्ग पर आंशिक रूप से रद्द किया गया है, जबकि कुछ रेलसेवाओं के संचालन में बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 14803 भगत की कोठी-जम्मूतवी रेलसेवा 07 एवं 09 अक्टूबर 2026 को भगत की कोठी से रवाना होकर फिरोजपुर कैंट तक ही संचालित होगी। अर्थात यह रेलसेवा फिरोजपुर कैंट-जम्मूतवी के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

वापसी में गाड़ी संख्या 14804 जम्मूतवी-भगत की कोठी रेलसेवा 08 एवं 10 अक्टूबर 2026 को जम्मूतवी के बजाय फिरोजपुर कैंट से संचालित होगी। इस कारण जम्मूतवी-फिरोजपुर कैंट के बीच यह रेलसेवा आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

दो ट्रेनों को मार्ग में किया जाएगा रेगुलेट

गाड़ी संख्या 19613 अजमेर-अमृतसर रेलसेवा, जो 07 अक्टूबर को अजमेर से रवाना होगी, उसे फिरोजपुर मंडल पर 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14653 हिसार-अमृतसर रेलसेवा, जो 09 अक्टूबर को हिसार से रवाना होगी, उसे फिरोजपुर मंडल पर 40 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

हिसार-अमृतसर एक्सप्रेस दो दिन देरी से चलेगी

गाड़ी संख्या 14653 हिसार-अमृतसर एक्सप्रेस के संचालन समय में भी बदलाव किया गया है। यह ट्रेन 07 अक्टूबर 2026 को हिसार से निर्धारित समय से 03 घंटे 35 मिनट की देरी से रवाना होगी। वहीं, 09 अक्टूबर 2026

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक संपादक रजनीश शर्मा* के लिए भरत प्रिन्टर्स एण्ड सैल्स कॉरपोरेशन, 5ए, इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी, रामनगर सोडाला जयपुर 302019, से मुद्रित एवं प्रकाशित।
फोन: 01414821016 मो. 9828888853 ईमेल- danikmridulpatrika@gmail.com
*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार